सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" हवा पेड़ को झुकाती है, लेकिन उसकी जड़े मजबूत करती हैं,
जिंदगी भी इंसान को झुकाती है, परेशान करती है,
लेकिन वहीं संघर्ष उसकी असली ताकत बन जाता है...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-218 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 27 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

कांवड़ यात्रियों की सेवा में सुबह 10 से रात 8 बजे तक चलती रही 'शिव की रसोई'

बीएसएनएल चौक पर सौरव मिश्रा ने बनवाया बफार्नी शिवलिंग, जगह-जगह हुआ कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

विधायक देवेंद्र यादव की कांवड़ यात्रा के दौरान शिवनाथ नदी से देवबलौदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर तक करीब 35 किलोमीटर की पैदल यात्रा में सैकड़ों कांवड़ यात्री शामिल हुए। यात्रा के दौरान मार्ग में जगह-जगह चौक-चौराहों पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कांवड़ यात्रियों का स्वागत कर जल, स्वल्पाहार एवं प्रसाद की व्यवस्था की गई। पूरे मार्ग में शिवभक्ति और सेवा का उत्साह देखने को मिला।

बीएसएनएल चौक, सेक्टर-1 में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरव मिश्रा के नेतृत्व में विशेष रूप से बफार्नी शिवलिंग का निर्माण किया गया। इसके साथ ही कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के लिए ह्राशिव की रसोईह्व शुरू की गई। सौरव मिश्रा ने संकल्प लिया था कि कांवड़ यात्रा के दौरान शिव की रसोई निरंतर संचालित की जाएगी। इसी संकल्प के तहत सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। देवेंद्र यादव के देवबलौदा पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक पूर्ण करने तक यह सेवा निरंतर जारी रही।

सेक्टर-2 व सेक्टर-1 में भी स्वागत

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी-3 के अध्यक्ष के निर्देशानुसार सेक्टर-2 में हरीश सिंह के नेतृत्व में पार्षद साधना सिंह एवं नोमिन साहू ने कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत किया। वहीं सेक्टर-1 एसबीआई के सामने रोशन रिजवी द्वारा कांवड़ यात्रियों के लिए पेयजल एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। सेक्टर-1 के मुर्गा चौक में आशीष यादव के नेतृत्व में महिला समूहों ने कांवड़ यात्रियों का स्वागत कर स्वल्पाहार वितरित किया। विभिन्न स्थानों पर सेवा शिविरों के आयोजन से कांवड़ यात्रा का मार्ग भक्तिमय नजर आया और श्रद्धालुओं में उत्साह बना रहा।

सेवा में जुटे रहे कार्यकर्ता

शिव की रसोई में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सेवा दी। श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों को प्रसाद उपलब्ध कराने के साथ उनके लिए आवश्यक सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया। बफार्नी शिवलिंग के दर्शन के लिए भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ सेवा और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी आर.एस. शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रमोद प्रभाकर, ख्वाजा अहमद, जोन अध्यक्ष राजेश चौधरी, पार्षद सुरेश वर्मा, कांग्रेस संगठित कामगार जिलाध्यक्ष सतनाम सिंह, धन्नू मिश्रा, मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण, मेशांक मिश्रा, अरुणा राव, न्यूब सिंह राव, इमरान खान, राहुल मिश्रा, आशीष यादव, लोकेश, देवेंद्र सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खुर्सीपार की फैक्ट्री में दीवार फांदकर चोरी, दो गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

खुर्सीपार थाना क्षेत्र के मिन्नी इंडस्ट्रियल यूनिट-93 स्थित एक फैक्ट्री में दीवार फांदकर घुसे चोरों ने करीब 90 हजार रुपये की कॉपर सामग्री चोरी कर ली। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं चोरी की घटना में शामिल पांच अपचारी बालकों को भी अभिरक्षा में लेकर किशोर न्याय अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 24 अगस्त की रात करीब 12:50 बजे के बाद की है। अज्ञात आरोपियों ने फैक्ट्री की दीवार फांदकर परिसर में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने फैक्ट्री में रखी कॉपर पट्टी, वेल्डिंग मशीन की कॉपर केबल, कॉन्टेक्टर की कॉपर केबल समेत अन्य कीमती सामग्री पर हाथ साफ कर दिया। चोरी के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना का पता चलने पर फैक्ट्री संचालक विक्रांत अग्रवाल ने खुर्सीपार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 362/2026 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(2) के तहत जांच शुरू की।

इंडस्ट्रियल क्षेत्र में चोरी को गंभीरता से लिया औद्योगिक क्षेत्र में लगातार कीमती कॉपर सामग्री चोरी होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। थाना खुर्सीपार पुलिस ने घटनास्थल के आसपास संदिग्ध गतिविधियों और संभावित आरोपियों की जानकारी जुटानी शुरू की। संदिग्धों से पूछताछ के साथ पुलिस ने चोरी की सामग्री के संबंध में भी सुराग जुटाए। जांच के दौरान पुलिस को कुछ संदिग्धों के बारे में जानकारी मिली। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की घटना में शामिल होना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर फैक्ट्री से चोरी की गई सामग्री बरामद कर ली। पुलिस ने कॉपर पट्टी, वेल्डिंग मशीन की कॉपर केबल और कॉन्टेक्टर की कॉपर केबल समेत करीब 90 हजार रुपये का सामान जब्त किया।

दो आरोपी गिरफ्तार, पांच अपचारी बालकों पर कार्रवाई पुलिस ने मामले में पवन राजभर (22), निवासी बालाजी नगर, खुर्सीपार और बिराज निर्मलकर (19), निवासी नंदईया पारा, खुर्सीपार को विधिवत गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। वहीं चोरी की घटना में शामिल पाए गए पांच अपचारी बालकों को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया। उनके खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई है। पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

हत्याकांड का खुलासा : पत्नी की गला दबाकर हत्या, शव आंगन में जलाया

हड्डियां दफन कर दर्ज कराई गुमशुदगी, डीएनए से खुला अंधे कत्ल का राज

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

कापू पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा किया है। आरोपी पति ने मामूली बात पर पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी, फिर शव को घर के आंगन में जला दिया और बची हड्डियों को जमीन में दफन कर थाने में पत्नी की गुमशुदगी की झूठी रिपोर्ट दर्ज करा दी। रायगढ़ पुलिस की प्रोफेशनल जांच और डीएनए रिपोर्ट से पूरे मामले से पर्दा उठा। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि "यह प्रोफेशनल पुलिसिंग और वैज्ञानिक साक्ष्यों का शानदार उदाहरण है। अंधे कत्ल का खुलासा करने वाली कापू पुलिस टीम बधाई की पात्र है।"

गुमशुदगी की रिपोर्ट से ही पकड़ा गया हत्यारा

मामला थाना कापू क्षेत्र के ग्राम कुमा का है। 28 अप्रैल 2026 को ग्राम कुमा निवासी देवानंद सिदार (39) ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी पत्नी चमेली सिदार (26) 16 अप्रैल की रात 8 बजे से घर से बिना बताए कहीं चली गई है। तत्कालीन थाना प्रभारी उप निरीक्षक इगेश्वर यादव ने गुम इंसान कायम कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पति के बयानों और व्यवहार में विरोधाभास मिला। पुलिस ने जब मृतका के परिजनों से पूछताछ की तो संदेह गहरा गया। पता चला कि चमेली गुम नहीं हुई, बल्कि उसकी हत्या हुई है।

सब्जी नहीं बनाने पर हुआ विवाद, फिर गला दबाकर मार डाला

पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि 16 अप्रैल की रात भाजी की सब्जी नहीं बनाने की बात पर पत्नी से विवाद हुआ था। गुस्से में उसने चमेली का गला मरोड़कर हत्या कर दी। साक्ष्य छिपाने के लिए शव को घर के आंगन में ही जला दिया और बची हुई जली हड्डियों को गड्ढा खोदकर पत्थर के नीचे दबा दिया। इसके बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवा दी।

4 साल पहले किया था प्रेम विवाह

मृतका के पिता बालसाय सिदार निवासी मिजार्पुर (मक्कापुर), जशपुर ने बताया कि चमेली उनकी सबसे छोटी बेटी थी। करीब 4 साल पहले देवानंद उसे प्रेम संबंध के चलते कुमा ले गया था और पत्नी के रूप में रखता था। दोनों की कोई संतान नहीं थी। 18 अप्रैल को देवानंद उनके घर भी गया था और चमेली के बारे में पूछा था। बाद में दशकर्म कार्यक्रम में परिजनों को पता चला कि चमेली की हत्या कर शव जला दिया गया है।

डीएनए रिपोर्ट बनी अहम सबूत

मामले में मर्ग क्रमांक 45/2026 धारा 194 इठर के तहत जांच शुरू की गई। एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी इगेश्वर यादव ने शव उत्खनन की अनुमति लेकर एफएसएल अधिकारी की मौजूदगी में घटनास्थल से जली हुई हड्डियों के अवशेष बरामद किए। हड्डी के नमूने का डीएनए परीक्षण कराया गया, जिसमें पुष्टि हुई कि हड्डियां चमेली सिदार की ही हैं। इसके बाद 23 अगस्त 2026 को थाना कापू में अपराध क्रमांक 140/2026 धारा 103(1), 238(अ) इटर के तहत मामला दर्ज किया गया।

3 दिन गांव के बाहर कैंप कर पकड़ा

केस दर्ज होते ही आरोपी फरार हो गया। थाना प्रभारी निरीक्षक धमार्राम तिर्की के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तीन दिन तक गांव के बाहर कैंप कर मुखबिर तंत्र सक्रिय रखा और आखिरकार आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरोपी ने हत्या कबूल कर ली है। उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी धमार्राम तिर्की, उप निरीक्षक इगेश्वर यादव, प्रधान आरक्षक सोमेश गोस्वामी, लक्ष्मी कैवर्त, आरक्षक विभूति सिंह, संजीव पटेल, विनय एक्का, दिलीप तिर्की और अमरदीप एक्का की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

IPS जीपी सिंह ने संभाला प्रशिक्षण महानिदेशक और पुलिस अकादमी चंदखुरी के निदेशक का कार्यभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह, IPS ने महानिदेशक प्रशिक्षण, पुलिस मुख्यालय तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी के निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद जीपी सिंह ने अकादमी के अधिकारियों के साथ बैठक कर वर्तमान में चल रहे पुलिस प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधारभूत संरचना और उपलब्ध संसाधनों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बेहतर और आधुनिक प्रशिक्षण देने के लिए संसाधनों की उपलब्धता और जरूरतों पर चर्चा की। जीपी सिंह ने प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, व्यावहारिक और आधुनिक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अकादमी की गतिविधियों का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव सहित अकादमी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

राज्य शासन द्वारा खेल अलंकरणों के लिए चयनित खिलाड़ियों की सूची जारी

रायपुर। राज्य शासन द्वारा खेल अलंकरणों के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों की सूची जारी कर दी गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए कुल 82 लोगों को पुरस्कार और सम्मान दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए 5 दलों के कुल 43 खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का चयन किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 अगस्त को इन खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को राज्य अलंकरण प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य और उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य अलंकरण समारोह में शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान और मुख्यमंत्री ट्रॉफी के लिए चयनित खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

बच्चों के लिए विपुल साहित्य की रचना समय की जरूरत : रघुनंदन शर्मा

रंगकर्मी संजय मेहता की पुस्तक का लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

बच्चों के लिए विपुल और गुणवत्तापूर्ण साहित्य की रचना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। आज बच्चों के साहित्य की कमी महसूस की जा रही है। बच्चों के लिए अधिकाधिक साहित्य सृजन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह विचार मानस प्रतिष्ठान के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विचारक रघुनंदन शर्मा ने सुपरिचित लेखक संजय मेहता की पुस्तक 'एक पेड़ की कथा' के विमोचन अवसर पर व्यक्त किए।

रघुनंदन शर्मा ने कहा कि 'एक पेड़ की कथा' पर्यावरण संरक्षण के साथ किसान की कथा-व्यथा को भी प्रभावी ढंग से रेखांकित करती है। उन्होंने कहा कि बच्चों को प्रकृति और पर्यावरण से जोड़ने में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में लेखक संजय मेहता ने अपनी लेखन-यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि 'एक पेड़ की कथा' उनकी छठवीं पुस्तक है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी बच्चों के लिए अधिकाधिक साहित्य लिखने की इच्छा है।

बच्चों के लिए लिखें बड़े लेखक: प्रो.संजय द्विवेदी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हिंदी में बच्चों के लिए लेखन करने वाले रचनाकारों को अपेक्षित रूप से लेखक का दर्जा नहीं दिया जाता, जबकि अन्य भारतीय भाषाओं में साहित्यिक लेखन की शुरूआत ही बाल साहित्य से होती है। उन्होंने वर्तमान समय में बचपन के सामने उत्पन्न हो रहे संकटों पर भी चिंता व्यक्त की।

रंगमंच के माध्यम से प्रभावी शिक्षण : चौबे

विशिष्ट अतिथि साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. संतोष चौबे ने कहा कि वर्तमान समय में अधिकाधिक साहित्यिक कहानियों का रूपांतरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नाटकों का मंचन भी व्यापक स्तर पर होना चाहिए, क्योंकि रंगमंच के माध्यम से सामाजिक संदेश प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचता है। सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता एवं विशिष्ट अतिथि गुंजन चौकसे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज हमारे लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जब इस चिंता से बच्चे जुड़ते हैं तो समाज और संसार दोनों अधिक समृद्ध होते हैं।

इस अवसर पर अनुसंधान पत्रिका 'समागम' के विशेषांक 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का विमोचन किया गया तथा लेखकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में 'समागम गुरुकुल' का पोस्टर भी जारी किया गया। कार्यक्रम का संचालन समागम के संपादक प्रो. मनोज कुमार ने किया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे सहित रंगमंच, साहित्य और पत्रकारिता से जुड़े अनेक सुपरिचित हस्ताक्षर उपस्थित रहे।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के कलेक्टर ने दिए निर्देश

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने राजस्व संबंधित विभिन्न प्रकरणों में कार्य लंबित रखने वाले पटवारियों को नोटिस जारी करने और अधिकार अभिलेखों के वितरण में तेजी लाने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, भू-अर्जन, स्वामित्व योजना, भारतमाला परियोजना, एग्रीस्टैक, भू-आबंटन, नजूल, नक्शा बटांकन सहित विभिन्न राजस्व कार्यों की प्रगति की जानकारी ली।

समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अविवादित एवं विवादित नामांतरण, खाता विभाजन तथा सीमांकन के समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदारों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा। सीमांकन के समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों में राजस्व निरीक्षकों से लिखित प्रतिवेदन प्राप्त करने के निर्देश भी दिए।

स्वामित्व योजना के तहत तहसीलवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकार अभिलेखों के वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना से संबंधित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर श्री सिंह ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण, एग्रीस्टैक पोर्टल तथा लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों की भी समीक्षा की। कोटवारी भूमि विक्रय पर सिविल वाद दायर किए गए प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य आगामी सितंबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वेयरों की संख्या बढ़ाने तथा कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने कहा। उन्होंने पटवारियों को अधिक से अधिक सर्वेक्षणों

का अनुमोदन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि कई गांवों में सर्वेक्षण पूर्ण होने के बावजूद पटवारियों द्वारा समय पर अनुमोदन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकेट क्लेम वाले किसानों के साथ-साथ सभी सहखातेदारों का भी पंजीयन होना चाहिए। बकेट क्लेम में किसानों के पंजीयन लंबित रहने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति-2016 के तहत लंबित प्रकरणों तथा भू-अर्जन आदेशों के अभिलेखों को अद्यतन करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

शासकीय विभागों के लिए भूमि आबंटन, कृषि कार्यालय, नगरीय निकायों के वाटर ट्रीटमेंट एवं सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा एसएलआर सेंटर के अद्यतन संबंधी जानकारी भी ली गई। उन्होंने ऑटो डायवर्सन की न्यायालयवार स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न प्रकरणों में कार्य लंबित रखने वाले पटवारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जाति प्रमाण पत्र, ई-डिस्ट्रिक्ट लोक सेवा गारंटी, डिजिटल हस्ताक्षर, नजूल प्रकरण, नक्शा बंटांकन सहित लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने कहा। बैठक में भारतमाला परियोजना और रेलवे भू-अर्जन से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने भारतमाला परियोजना के अंतर्गत अवार्ड पारित प्रकरणों में रिकॉर्ड अद्यतन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग महेश सिंह राजपूत, अनुविभागीय अधिकारी पाटन उत्तम ध्रुव, अनुविभागीय अधिकारी धमधा लवकेश कुमार ध्रुव, अनुविभागीय अधिकारी भिलाई-3 प्रकाश सोनी सहित सभी तहसीलदार एवं अतिरिक्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख एवं सभी सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख उपस्थित थे।

खास खबर

मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि पर भिलाई में सजेगी 'याद-ए-मुकेश' श्रद्धांजलि संध्या आज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हिन्दी सिनेमा के महान पार्श्वगायक स्व. मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि पर उनकी अमर आवाज को नमन करने के लिए गुरुवार, 27 अगस्त को कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में भव्य "याद-ए-मुकेश" श्रद्धांजलि संध्या का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ, SRG भिलाई इस्पात संयंत्र एवं लाइफ केयर के संयुक्त तत्वावधान में शाम 7 बजे से यह कार्यक्रम होगा। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक राकेश पाण्डेय, विधायक रिकेश सेन और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय को आमंत्रित किया गया है।

प्रसिद्ध गायकों की प्रस्तुति : कार्यक्रम में भिलाई-दुर्ग के प्रसिद्ध गायक मुकेश जी के सदाबहार गीतों को स्वर देंगे। इनमें संदीप राजपूत, मोहम्मद रफीक, उमेश विश्वकर्मा, एंथोनी फ्रांसिस, रियाज अहमद, अनिल राउतकर, रमेश दत्त पाण्डेय, जाहिद अली, मुन्ना खान, कमाल अख्तर, सीमा पटेल, ज्योति कश्यप, नीतू गोस्वामी सहित 20 से अधिक कलाकार शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ी सिने स्टार प्रदीप शर्मा का विशेष शो आकर्षण : इस बार कार्यक्रम का विशेष आकर्षण छत्तीसगढ़ के मशहूर सिने स्टार प्रदीप शर्मा का शो होगा। लगभग 250 छत्तीसगढ़ी फिल्मों में काम कर चुके प्रदीप शर्मा फिल्म "मेरा नाम जोकर" के प्रसिद्ध गीत "जीना यहाँ, मरना यहाँ" पर जोकर की भूमिका में प्रस्तुति देकर मुकेश जी को श्रद्धांजलि देंगे। कार्यक्रम का संगीत संयोजन यश यदु एवं उनकी टीम द्वारा किया जा रहा है। आयोजक बी.डी. निजामी एवं संयोजक कैलाश जैन बरमेचा ने समस्त संगीतप्रेमियों से 27 अगस्त की शाम कला मंदिर पहुंचने की अपील की है।

जामुल थाना परिसर में हुआ वृहद वृक्षारोपण

भिलाई। नगर निगम भिलाई एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देने और शहर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं पौधरोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम के जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत जामुल थाना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर को हराभरा बनाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना रहा। पौधों के बढ़ने के साथ परिसर में हरियाली बढ़ेगी, जिससे वातावरण भी स्वच्छ एवं अनुकूल रहेगा। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण और उनकी नियमित देखभाल की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, बैंक ऑफ बड़ौदा उप क्षेत्रीय प्रमुख जयप्रकाश नारायण, कार्यपालन अभियंता अरविन्द शर्मा, पार्षद प्रदीप सेन, उद्यान सह जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू, बैंक ऑफ बड़ौदा क्षेत्रीय बिजनेस डेव्हलपमेंट में मैनेजर विनय प्रकाश, ब्रांच मैनेजर निखिल वासनिक, अनिल शर्मा, सुभाष सपाटे, सुनीता पराडकर, जितू तोमर, विकास साहू एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्ग जिला मुख्यालय के प्रमुख व व्यस्त मार्गो पर धरना प्रदर्शन रैली सभा जुलूस पर लगाई रोक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अभिजीत सिंह द्वारा दुर्ग जिला मुख्यालय के प्रमुख मार्गो राजनांदगांव-पुलगांव-दुर्ग मुख्य मार्ग पर गंजपारा चौक से मालवीय नगर चौक तक, जेआरडी स्कूल से दुर्ग सेंट्रल जेल के मुख्य गेट तक, कब्रिस्तान से केंद्रीय विद्यालय, आरटीओ कार्यालय, खालसा स्कूल होते हुए मालवीय नगर चौक तक एवं सुराना कॉलेज से मानस भवन मार्ग से चर्च चौक तक इन सभी प्रमुख मार्गो पर अथवा उनके किनारे किसी भी राजनीतिक, सामाजिक, व्यवसायिक अथवा कर्मचारी संगठन आदि के द्वारा धरना/प्रदर्शन/रैली/सभा/जुलूस आदि का आयोजन अथवा इन स्थलों पर टेबल, कुर्सी, फर्नीचर, टेंट, शामियाना, माइक, साउंड सिस्टम आदि लगाना अथवा भीड़ एकत्रित करने को पूर्णत प्रतिबंधित किया गया है। इन सभी स्थलों पर लाउडस्पीकर अथवा सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पुलिस / प्रशासन को छोड़कर) अथवा अन्य तेज ध्वनि उत्पन्न करने वाले यंत्रों का उपयोग भी प्रतिबंध रहेगा।

विशेष परिस्थितियों में इस प्रकार के आयोजन की अनुमति देने के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी दुर्ग शहर को अधिकृत किया गया है। ऐसी अनुमति के लिए आवेदन समस्त विवरण का उल्लेख करते हुए आयोजन तिथि से कम से कम एक सप्ताह पूर्व एसडीएम दुर्ग शहर को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। परिस्थितियों के आधार पर अनुमति विभिन्न शर्तो को निर्धारित करते हुए दी जाएगी तथा उनका पालन अनिवार्य होगा। यदि शर्तो का उल्लंघन पाया गया तो अनुमति स्वतः निरस्त मानी जाएगी जैसे कि कभी वह अनुमति जारी ही ना की गई हो। इस प्रकार जारी अनुमति भी पूर्णतः प्राविधिक होगी एवं किसी भी समय बिना कारण बताएं निरस्त की जा सकेगी।

आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है एवं इसका उल्लंघन किए जाने की स्थिति में मौके पर लगाए गए टेंट, शामियाना, फर्नीचर, साउंड

सिस्टम, लाउडस्पीकर, बैनर तथा अन्य सामग्री की जब्ती की जाएगी एवं उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और संस्था पदाधिकारी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223, 125 ,126, 285 तथा अन्य सुसंगत कानून एवं धाराओं के अंतर्गत अभियोजन संस्थित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जिले के इन प्रमुख मार्गो पर विभिन्न शासकीय कार्यालय यथा जिला पंचायत, जीएसटी, वन विभाग, परिवहन विभाग, विद्युत विभाग, श्रम विभाग, सेंट्रल जेल, महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिवासी विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, पंजीयन कार्यालय, नगर निगम, जिला कलेक्टर कार्यालय, जिला न्यायालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित है। साथ ही उक्त मार्ग पर लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह भी स्थित हैं तथा दुर्ग का जिला अस्पताल भी इसी मार्ग पर स्थित है।

विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक, व्यवसायिक एवं कर्मचारी संगठनों द्वारा समय-समय पर धरना प्रदर्शन जुलूस रैली आदि के आयोजन से बड़ी संख्या में भीड़ एकत्रित होने की घटनाएं हुई हैं। जिससे शैक्षणिक संस्थानों में अध्यनरत विद्यार्थियों के शैक्षणिक कार्य में व्यवधान उत्पन्न हुआ है तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा भी प्रभावित हुई है। साथ ही जिला अस्पताल जो दुर्ग का प्रमुख अस्पताल है तथा वहां पर संपूर्ण जिले एवं संपूर्ण संभाग के मरीज भर्ती होते हैं उनको भी असुविधाएं होती हैं। स्वास्थ्य लाभ में बाधा होती है तथा एंबुलेंस का आवागमन भी प्रभावित होता है। साथ ही लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह तथा बैठक कक्ष में समय-समय पर महत्वपूर्ण व्यक्तियों का आगमन होता रहता है तथा अत्यंत महत्वपूर्ण बैठकों का भी आयोजन होता है। विभिन्न धरना, प्रदर्शन, रैली, जुलूस आदि से न केवल बैठकों की व्यवस्था बाधित होती बल्कि अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसी मार्ग पर नगर निगम का बस स्टैंड भी है, जिनका आवागमन भी धरना प्रदर्शन रैली आदि से बाधित होता है, जिससे यात्रियों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता था।

उक्त समस्त विभागों एवं शैक्षणिक संस्थाओं के प्रमुख अधिकारियों एवं प्राचार्य के द्वारा कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी से इस प्रकार के रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन आदि पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था जिसकी पुष्टि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के द्वारा भी की गई। जिसके आधार पर संज्ञान लेते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत उपरोक्त प्रतिबंधात्मक आदेश जिला दंडाधिकारी दुर्ग के द्वारा जारी किया गया है।

धरना प्रदर्शन हेतु नगर निगम दुर्ग के जल शोधन संयंत्र के सामने स्थित नगर निगम दुर्ग द्वारा निर्मित रिक्त परिसर तितुरडीह नजूल शीट क्रमांक 90 के प्लॉट नंबर 7/2 को नियत किया गया है। उक्त स्थल को धरना प्रदर्शन हेतु उपयुक्त पाया जाकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग, अनुविभागीय दंडाधिकारी दुर्ग, तथा नगर निगम दुर्ग द्वारा अनुशंसा की गई थी।

उल्लेखनीय है कि रायपुर जिले में भी लगभग 4 वर्ष पूर्व शहर के सघन इलाके में लगातार होने वाले धरना प्रदर्शन को देखते हुए धरना प्रदर्शन स्थल के रूप में नया रायपुर स्थित तूता के मैदान को चिन्हित किया गया था। उसी तर्ज पर दुर्ग मुख्यालय स्थित उपरोक्त भूमि को धरना प्रदर्शन हेतु उपयुक्त पाया गया है जिसके आधार पर उक्त स्थल को समस्त प्रकार के धरना प्रदर्शन स्थल हेतु चिन्हित किया गया है। इस संबंध में विगत दिनों विभिन्न राजनीतिक सामाजिक संगठनों की भी बैठक आयोजित की गई थी जिसमें प्राप्त सुझावों के आधार पर उपरोक्त अनुसार कार्यवाही की गई है।

भगवान परशुराम के नाम हुआ खुर्सीपार का केनाल रोड, गोकुल धाम और खेल सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर लगी मुहर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई की सामान्य सभा की बैठक सभागार कक्ष में प्रातः 11 बजे से सभापति गिरवर बंटी साहू के अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में महापौर नीरज पॉल, निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह, महापौर परिषद सदस्यगण पार्षदगण तथा निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सामान्य सभा में शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों को लेकर सदन में विस्तृत चर्चा एवं सवाल-जवाब हुए।

बैठक के दौरान केनाल रोड का नामकरण भगवान परशुराम एवं मां परमेश्वरी चौक किए जाने के प्रस्ताव पारित की गई। इसके साथ ही भिलाई शहर में प्रशासनिक कार्यो को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नये निगम कार्यालय भवन के निर्माण से संबंधित विषय भी सदन में रखा गया, कार्यालय का जल्द भूमि पूजन कराने हेतु सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है। निगम क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा नागरिकों को पर्याप्त रोशनी की सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर भी प्रस्ताव पारित की गई। सामान्य सभा में गोकुल धाम के संबंध में प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया, आगामी प्रक्रिया रोकने हेतु निर्णय लिया गया। इसके अलावा निगम क्षेत्र के विभिन्न भूखण्डों को 30 वर्षीय लीज पर दिए जाने से संबंधित विषय पर सदन में चर्चा हुई। सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लोधी क्षत्रिय समाज के सामाजिक भवन के लिए भूमि प्रदान करने के प्रस्ताव पर भी सदस्यों ने अपने विचार रखे।

बैठक में प्रियदर्शिनी परिसर में 1000 सीटर ऑडिटोरियम निर्माण के साथ-साथ प्रियदर्शिनी परिसर पश्चिम में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक एवं प्राकृतिक फुटबाल मैदान निर्माण जैसे महत्वपूर्ण खेल एवं सांस्कृतिक सुविधाओं से जुड़े प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर सवाल-जवाब किए गए तथा संबंधित विषयों की जानकारी प्राप्त की गई। सामान्य सभा में चर्चा के उपरांत सदन ने शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़े इन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर अपनी सहमति प्रदान की। इन प्रस्तावों के क्रियान्वयन से भिलाई में प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ खेल, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर अधोसंरचना विकसित होने की उम्मीद है।

भगवान शिव की भक्ति में सराबोर हुआ दुर्ग शहर, सैकड़ों भक्त निकले कांवर यात्रा में

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सुबह से शिवनाथ नदी तट पर शिवभक्तों का मेला देखने को मिला सैकड़ों की संख्या में अलग अलग टोली में शिवनाथ नदी से जल लेकर भगवान भोले बाबा को जल चढ़ाने निकले। सत्तीचौरा में बुधवार को कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा सुबह 7 बजे शिवनाथ नदी के घाट से शुरू हुई, जो सुबह 10 बजे सत्तीश्वर महादेव मंदिर पहुंची। सुबह शिवनाथ नदी पहुँचकर सभी भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नदी के जल से कांवड़ भरने के पैदल चलकर सभी श्रद्धालु सत्तीश्वर महादेव मंदिर सत्तीचौरा पहुंचे। यहां अभिषेक और आरती का आयोजन किया गया।

कांवड़ यात्रा में सबसे पहले शिवनाथ नदी तट पर पंडित सुनील पांडेय द्वारा पूजा अर्चना एवं आरती की गई विभिन्न स्थानों में शिवभक्तों के ऊपर फूलों की वर्षा की गई कांवड़यात्री हर-हर महादेव, घर घर महादेव और श्री शिवाय नमस्तुभ्यं का जयघोष करते रहे। गंजपारा की कावड़ यात्रा की विशेष बात यह रही कि इस कावड़ यात्रा में शिवनाथ नदी तट से सत्तीचौरा तक लगभग 20 से अधिक छोटे बच्चे जिनकी उम्र 3 से 6 वर्ष है वे कावड़ लेकर पैदल चलकर सत्तीश्वर महादेव तक आये और जल चढ़ाये, और पूरे रास्ते झूमते रहे।

कांवड़ यात्रा में के लिए 2 दिन पहले से ही तैयारी की जा रही थी कांवड़ यात्रा का उद्देश्य जहां दुर्ग नगर की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी का उत्थान है तो वहीं पवित्र मास सावन में कांवड़ से भगवान शिव पर जल चढ़ाने का विशेष महत्व भी है। सावन के अद्भुत संयोग पर निकली शहर में अलग अलग निकली कांवड़ यात्रा भक्ति का सैलाब है। सभी भक्त कम से कम एक लोटा जल अपने गांव, शहर और घरों में स्थित शिवलिंग पर आज चढ़ाये है।

कावड़ यात्रा में राजेश शर्मा सुरेश गुप्ता गुड्डू कश्यप डब्बू चंद्रवंशी योगेन्द्र शर्मा बंटी मनोज गुप्ता लाला ललित शर्मा मनीष सेन प्रकाश सिन्हा दिनेश शर्मा सूर्यमणि मिश्रा लक्की अग्रवाल प्रकाश ठाकुर राकेश महोबिया सुजल शर्मा सोनल सेन ऋषि गुप्ता मोहित पुरोहित कृतज्ञ शर्मा वाशु शर्मा अनमोल पांडे सार्थक शर्मा वंशु पुरोहित सिद्धू सेन मोक्ष शर्मा सुभाष शर्मा हृदय शर्मा विक्की शर्मा एवं सैकड़ों शिवभक्त उपस्थित हुए।

संत कालीदास महाराज ने मासक्षमण तपस्वी टीकाराम का करवाया पारणा

राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि महाराज के दर्शनार्थ दुर्ग पहुंचे महामंडलेश्वर कालीदास महाराज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब दुर्ग में आज आध्यात्मिक एवं धार्मिक वातावरण उस समय और अधिक भक्तिमय हो गया, जब महामंडलेश्वर संत कालीदास जी काली महाराज राष्ट्रसंत मानव मिलन संस्थापक डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज के दर्शनार्थ दुर्ग पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने मासक्षमण जैसी कठिन तपस्या पूर्ण करने वाले तपस्वी टीकाराम जी पराजुली का पारणा करवाया तथा उनकी तपस्या की अनुमोदना करते हुए अभिनंदन किया।

महामंडलेश्वर कालीदास जी महाराज के आगमन पर श्रमण संघ परिवार की विभिन्न संस्थाओं एवं पदाधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। जय आनंद मधुकर रतन भवन परिसर में आयोजित इस धार्मिक अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

मासक्षमण तपस्वी टीकाराम जी पराजुली ने संयम, साधना और आत्मबल का परिचय देते हुए कठिन तपस्या पूर्ण की। महामंडलेश्वर कालीदास जी महाराज ने उनका पारणा करवाकर तप की अनुमोदना की और कहा कि तपस्या केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम है। ऐसे तपस्वियों का सम्मान समाज में त्याग और संयम की प्रेरणा को मजबूत करता है।

महामंडलेश्वर जी की आगवानी एवं स्वागत के लिए दुर्ग सांसद विजय बघेल तथा रायपुर ग्रामीण विधायक पुरन्दर मिश्रा, लाभचंद बाफना विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने इस धार्मिक आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। इस अवसर पर श्रमण संघ परिवार के विभिन्न मंडलों, संस्थाओं एवं समाजजनों ने महामंडलेश्वर कालीदास जी महाराज का स्वागत करते हुए राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज के सानिध्य में चल रहे धार्मिक एवं तप आराधना के क्रम की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान जय आनंद मधुकर रतन भवन परिसर धर्म, तप, त्याग और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने मासक्षमण तपस्वी टीकाराम जी पराजुली की तपस्या की अनुमोदना करते हुए वर्धमान सेवा मंच ने प्रभाव न वितरित की और उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक प्रगति की मंगलकामना की। आज के आयोजन को सफल बनाने में श्रवण संघ परिवार के सदस्यों के अलावा धर्मचंद लोढ़ा, प्रवीण श्री श्रीमाल, निर्मल बाफना, निर्मल रतन बोहरा, अंजू सुराणा, राकेश संचेती, उत्तम भंडारी, अशोक रतन बोहरा, रजत सुराणा का विशेष सहयोग रहा।

आरोपी भीम सोनकर को कलेक्टर ने किया जिला बदर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सीमावर्ती जिलों की सीमाओं में एक वर्ष की अवधि तक आरोपी का प्रवेश प्रतिबंधित

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने आरोपी भीम सोनकर के आपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण किए जाने तथा आम जनता में अमन-चौन, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(ख) के वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत जिलाबदर की कार्यवाही की है।

जिला कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी श्री सिंह के आदेशानुसार भीम सोनकर पिता नंदू सोनकर, उम्र 34 वर्ष, निवासी गैंगखोली वार्ड नंबर 12, थाना कुम्हारी, जिला दुर्ग (छ.ग.) को राजस्व जिला दुर्ग एवं उसके सीमावर्ती जिले रायपुर, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, राजनांदगांव, बालोद एवं धमतरी जिलों की सीमाओं से आदेश पारित की तिथि से एक सप्ताह के भीतर अपने आपको हटा लेने अथवा बाहर चले जाने कहा गया है। साथ ही बदमाश भीम सोनकर को इस तिथि से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी की बिना अनुमति के प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

ज्ञात हो कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं थाना कुम्हारी के अभिलेखों के अनुसार अनावेदक भीम सोनकर वर्ष 2016 से लगातार आपराधिक कृत्यों में संलिप्त है। आरोपी के विरुद्ध आम जनता से गाली-गलौज, मारपीट करना, अवैध वसूली करना, गुंडागर्दी कर लोगों को डराना-धमकाना तथा जान से मारने की धमकी देने जैसे कई गंभीर अपराध करने की आदत है। आरोपी के विरुद्ध थाना कुम्हारी में कई अपराध पंजीबद्ध हैं और पुलिस द्वारा समय-समय पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई, फिर भी उसके आपराधिक कृत्यों में कोई सुधार नहीं आया है। आरोपी के इस आतंक व भय से आम जनता और साक्षी डरे व भयभीत रहते हैं, जिससे क्षेत्र में लोक व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। प्रकरण में पुलिस प्रतिवेदन, अभियोजन के कथनों तथा साक्ष्यों का बारीकी से अनुशीलन करने के पश्चात, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सिंह ने क्षेत्र में शांति एवं भयमुक्त वातावरण बनाए रखने हेतु आरोपी भीम सोनकर के विरुद्ध यह जिला बदर की सख्त कार्यवाही की है।

प्रदेश के शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ रही राज्य सरकार : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने बाबा कर्मेश्वर का किया रुद्राभिषेक, प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की, मुख्यमंत्री ने ग्राम कर्रा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम कर्रा में आयोजित श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राचीन बाबा कर्मेश्वर धाम में भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर ग्राम कर्रा में मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बाबा कर्मेश्वर की कृपा से यह क्षेत्र निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम कर्रा की पावन भूमि पर श्री महारुद्र यज्ञ एवं शिव पुराण कथा का आयोजन होना अत्यंत सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कथावाचक आचार्य दिव्यानंद जी महाराज को नमन करते हुए आयोजन समिति और समस्त श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पवित्र श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। भगवान भोलेनाथ से यही प्रार्थना है कि उनकी कृपा पूरे छत्तीसगढ़ पर बनी रहे और प्रत्येक परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास हो।

श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ धर्म, संस्कृति और आस्था की समृद्ध परंपराओं की भूमि है। यह माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम का

ननिहाल है। प्रदेश के गांव-गांव में प्राचीन शिवालयों, देवी मंदिरों और लोक आस्था के केंद्रों की गौरवशाली परंपरा रही है। राज्य सरकार इस समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रमुख शक्तिपीठों को धार्मिक कॉरिडोर के रूप में जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे।

लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन : मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ का भगवान श्रीराम से गहरा और आत्मीय संबंध है। राज्य सरकार की श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन का अवसर मिल रहा है। अब तक लगभग 50 हजार श्रद्धालु इस योजना के माध्यम से अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन कर चुके हैं। प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों की धार्मिक आस्था और तीर्थ दर्शन की अभिलाषा को ध्यान में रखते हुए तीर्थ दर्शन योजना भी प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत देशभर के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों को चिन्हांकित किया गया है। अब तक लगभग 10 हजार श्रद्धालु इस योजना का लाभ लेकर विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन कर चुके हैं।

शांति और विकास के नए दौर में आगे बढ़ रहा बस्तर : मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कर्मेश्वर के आशीर्वाद और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। दशकों तक हिंसा से प्रभावित रहे क्षेत्रों में आज शांति और विकास का नया वातावरण बन रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, संचार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्रा

खास खबर

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन की त्रासदी पर मुख्यमंत्री साय ने जताया गहरा दुख

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नेपाल में भीषण बाढ़ एवं भूस्खलन से हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत लोगों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा की इस कठिन घड़ी में पूरा भारत एकजुटता के साथ नेपाल के पीड़ितों के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान पशुपतिनाथ से दिवंगत आत्माओं की शांति, शोकसंतप्त परिवारों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने तथा लापता लोगों के सकुशल होने की प्रार्थना की है।

नेपाल में फंसे छत्तीसगढ़ के नागरिकों की सहायता के लिए हेल्पलाइन जारी

म्नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण फंसे छत्तीसगढ़ के नागरिकों की सहायता के लिए राज्य सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। प्रदेश के नागरिक अथवा उनके परिजन सहायता एवं आवश्यक जानकारी के लिए आपदा प्रबंधन हेल्पलाइन 1070 तथा दूरभाष +91-771-2223471 पर संपर्क कर सकते हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार अपने प्रत्येक नागरिक के साथ खड़ी है। फंसे नागरिकों की सुरक्षित वापसी एवं आवश्यक सहायता के लिए सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

पीएम राहत योजना : सड़क हादसे में घायलों को मिलेगा डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज

रायगढ़। जिले मेंपीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निदेशानुसार डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिल्पा भगत ने जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों को सड़क दुर्घटना के प्रत्येक प्रकरण को टीएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए। डिप्टी कलेक्टर ने बताया कि पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल पात्र व्यक्ति की दुर्घटना की तिथि से 7 दिनों तक अधिकतम 1 लाख 50 हजार रुपये तक का कैशलेस उपचार सरकारी एवं चिन्हित निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता है। दुर्घटना के समय पीड़ित, राहगीर अथवा कोई अन्य व्यक्ति 112 पर कॉल कर एम्बुलेंस एवं निकटतम नामित अस्पताल की जानकारी प्राप्त कर सकता है। डिप्टी कलेक्टर ने बताया कि टीएमएस पोर्टल के माध्यम से अस्पतालों द्वारा पीड़ित का पंजीयन एवं उपचार संबंधी क्लेम ऑनलाइन दर्ज किया जाता है। यह प्रक्रिया ई-डीएआर पोर्टल से भी जुड़ी है। योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना पीड़ित आर्थिक कठिनाई के कारण जीवनरक्षक उपचार से वंचित न हो और उसे समय पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जिले में योजना का अनिवार्य रूप से उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए जनप्रतिनिधियों को नींद से जागना होगा?

आखिर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की कब होगी स्थापना, स्थायी चिकित्सक से मगरुर क्यों है कोसीर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद ?

वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे / सारंगढ़

अमृत काल के बाद भी गांव की स्थित में कोई सुधार नहीं हुआ आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली की समस्याएं बनी हुई है। कोसीर गांव में पहले शिक्षा पहुंची 1904 में फिर 1960 के दशक में स्वास्थ्य और 1960 दशक के अंतिम में बिजली । कोसीर गांव ऐतिहासिक गांव है यह दो राय नहीं है सारंगढ़ रियासत से कोसीर गांव की देवी मंदिर की पूजा अर्चना जुड़ी थी । छत्तीसगढ़ राज्य बने 26 वर्ष हो गए और यहां की स्वास्थ्य और शिक्षा में कोई विशेष बदलाव नजर नहीं आ रहे है । पिछले 20 वर्षों से यहां नवीन कॉलेज की स्थापना की मांग के बाद भी कुछ विशेष बातें नहीं हो सका ।

बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य जीवन को सार्थक बना सकता है शिक्षा एक ओर रोजगार के द्वार खोलते हैं वहीं समाज में पहचान बनाती है । स्वास्थ्य जीवन का आधार है स्वस्थ शरीर हमें संघर्ष के लिए प्रेरित करता है अस्वस्थता जीवन के उत्सव को खत्म शिक्षा और स्वास्थ्य ईसान को मजबूत बनाता है । हमें शिक्षा और स्वास्थ्य पर समझौता नहीं करना चाहिए ।

शिक्षा के इतिहास पर गौर करें तो कोसीर गांव में आजादी के पहले 1904 में प्राथमिक स्कूल खुल चुकी थी लोग पढ़ने पहुंच रहे थे वहीं प्राथमिक शिक्षा से माध्यमिक शिक्षा भी की ओर आगे बढ़ रहे थे माध्यमिक शिक्षा में उस समय बड़ी बदलाव आए जब गांव के किसान परिवार से दादा मुन्ना दास ने अपनी खेत बेचकर स्कूल निर्माण में अपना योगदान दिए । वही स्वास्थ्य को लेकर गौर किया जाए तो 1960 के दशक के पहले गांव में कोई सुविधा नहीं थी लोग सरसिंवा जाते थे । 1960 दशक के कुछ वर्षों बाद कोसीर में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किराए के भवन में उप स्वास्थ्य केंद्र प्रारंभ हुई उस समय यहां आयुर्वेद डॉक्टर अपनी सेवा दे रहे थे इतिहास पर गौर करें तो 1960 के दशक में डॉ चिंचोलकर , डॉ खंडेलवाल , डॉ एम के गुप्ता जैसे अनेक डॉक्टर कोसीर में अपनी सेवाएं दिए ।

वही 1985 के आस पास एम बी बी एस डॉ विजय आनंद कोसरिया, डॉ परदेशी , बी के चंद्रवंशी , डॉ एम के मनहर , डॉ पुजारी , और आर एम ए अर्जुन ध्रुव रहे । डॉ अर्जुन ध्रुव के जाने के बाद से यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था कहें या विभाग की लापरवाही स्थायी डॉक्टर नहीं मिल सका । डॉक्टर तो आए पर व्यवस्थित नहीं हो पाया । पिछले एक दशक से अधिक समय से कोसीर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था में काफी बदलाव देखे गए यहां तक कि डॉक्टर की अभाव से प्राथमिक

उपचार भी मुश्किल हो गया था । वर्तमान व्यवस्था की बात करे तो अप्रैल 2026 में डॉ गौरव साहू को यहां की जिम्मेदारी दी गई थी ।वे पी जी के परीक्षा के लिए जुलाई से एक माह की छुट्टी में है। 15 अगस्त के बाद से अनुबंधित एम बी बी एस डॉक्टर के भरोसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चल रहा है । अस्थाई रूप से डॉ नेहा साहू और डॉ चिन्मय पाणिग्रही केंद्र को जिंदा रखे हैं ? प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान सारंगढ़ विकास खंड के कोसीर और गोडम समय सीमा में चल रहे हैं ।

सत्र 2018 से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोसीर सह आयुष केंद्र संचालित हैं । वही कोसीर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोसीर के आर एम ए (ग्रामीण चिकित्सा सहायक) को गोडम का अतिरिक्त भार दिया गया है जबकि उनका पद स्थापना कोसीर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर है । वही डॉ वसीम खान होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे है । यहां पदस्थ ग्रामीण चिकित्सा सहायक अधिकारी को आखिर गोडम की अतिरिक्त भार क्यों ? वही लेब टेक्नीशियन यहां हफ्ते में सिर्फ 03 दिन ही आता है और अन्य दिन उन्हें दूसरे जगह की जिम्मेदारी दे दी गई है इस तरह कोसीर के साथ सौतेला व्यवहार क्यों ? 2021 के बाद से अस्थाई डॉक्टरों के भरोसे कोसीर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चल रहा है ।

छत्तीसगढ़ अलग होने के बाद से यहां की मूलभूल सुविधाओं में आखिर परिवर्तन क्यों नहीं आया । लंबे समय से स्थायी चिकित्सक का अभाव है आम जनता इस समस्या से जूझ रही है यह अंचल के लिए दुर्भाग्य है स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं आखिर क्यों ? जिले के सबसे बड़े गांव की अनदेखी बेहद दुर्भाग्य है ।आखिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को डॉक्टर की कमी क्यों । बार बार डॉक्टरों के बदलने से स्वास्थ्य सेवाओं में लोगों को लाभ नहीं मिल पाता है । डॉक्टरों की कमी का खामयाजा लोग भुगत रहे हैं ।

छत्तीसगढ़ के तात्कालिक मुख्यमंत्री अजीत जोगी कोसीर बौद्ध बिहार में भगवान बुद्ध की प्रतिमा अनावरण में अपनी मंत्री मंडल के साथ कोसीर गांव पहुंचे हुए थे इस दौरान उन्होंने मंच से कोसीर को बड़ी सौगात देते हुए घोषणा की थी कि कोसीर में 10 बिस्तर का चिकित्सालय का निर्माण किया जाएगा जहां दो डॉक्टर अपनी सेवा देंगे उनके साथ शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता एवं नंदकुमार पटेल पहुंचे हुए थे। बौद्ध बिहार के संस्थापक प्रज्ञासार ने अथक मेहनत से मुख्यमंत्री को यहां कार्यक्रम में बुलाए थे । नई सरकार बनने के बाद तात्कालिक मुख्यमंत्री की घोषणा पर यहां 29 मई 2008 में नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का संसदीय सचिव देव लाल दुग्गा के द्वारा वर्चुअल भवन का लोकार्पण सारंगढ़ में हुआ।

2001की घोषणा 2008 में पूरी हुई और 10 बिस्तर के जगह 06 बिस्तर का ही निर्माण हुआ इसके पूर्व यहां 1960 के दशक में उप स्वास्थ्य केंद्र था यहां पहले से ही एम बी बी एस डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दिए । वर्तमान भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा सारंगढ़ प्रवास के दौरान 19 जनवरी 2025 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की घोषणा की गई है । आज यहां स्वास्थ्य की स्थिति में लाभ मिलना चाहिए नहीं मिल पा रही है । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा को डेढ़ वर्ष हो गए । उनकी इस घोषणा से अंचल के लोगों में उम्मीद जगी थी । आखिर कोसीर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की उन्नयन की घोषणा पर अमल होगा यह बात गर्भ में छुपी है।

कोसीर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की कमी और स्थायी नियुक्ति के लिए जनपद सदस्य हिरा भैरव नाथ जाटवर कोसीर के द्वारा जिला चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिख कर समस्या से अवगत कराया गया है वर्तमान में स्वास्थ्य की यह समस्या बड़ी समस्या है यहां स्थायी डॉक्टर का अभाव लोगों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है ।

क्या कहते हैं गांव के ग्रामीण

कोसीर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थायी डॉक्टर जरूरी है यहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुलेगा तो पूरे अंचल को लाभ मिलेगा।

- विष्णु चंद्रा,

कोसीर जनपद सदस्य हिरा भैरव नाथ जाटवर ने डॉक्टर की समस्या पर बोली कि मेरे द्वारा आवेदन देकर स्थायी डॉक्टर की मांग की गई है । यह क्षेत्र बड़ा क्षेत्र है यहां एम बी बी एस का होना जरूरी है

- श्रीमती हिरा भैरवनाथ जाटवर

सामाजिक कार्यकर्ता सहदेव प्रसाद सुमन ने कहा यहां पहले डॉक्टर स्थायी हुआ करते थे अब नहीं यहां स्थायी डॉक्टर जरूरी है ।

- सहदेव प्रसाद सुमन

GOSWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings Flex Banner Vinyl Printing
One Way Vision Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
baked.by.suhani
posts, mesage
Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order
Followed by _s_andeep
Follow
Message
Order Now:
@baked.by.suhani
M0.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
प्रवेश प्रारंभ सत्र 2026-2027
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

संपादकीय

मुद्दा आरक्षण का है तो राजनीति तो होगी ही

देश में आरक्षण सबसे ज्यादा संवेदनशील मुद्दा है ।इसलिए राजनीतिक दल चुनावी फायदे के लिए इसे बढ़ाने की बात तो करते हैं लेकिन इस खत्म करने या इसमें सुधार के लिए चर्चा करने को भी कतई तैयार नहीं होते है। लोकतंत्र में माना तो जाता है कि हर विषय पर चर्चा हो सकती है,हर क्षेत्र में सुधार बदलते वक्त के साथ किया जा सकता है। लेकिन राजनीतिक दल चाहे वह सत्ता में हो या विपक्ष में हो, वह चुनाव में होने वाले राजनीतिक नुकसान के चलते आरक्षण में सुधार तो दूर की बात है, वह तो इसमें सुधार के लिए भी चर्चा तक नहीं करना चाहता है। माना जाता है जो भी आरक्षण में समीक्षा, सुधार या चर्चा की बात भी करता है तो दूसरे पक्ष को यह कहने का मौका मिल जाता है, यह तो दलितों, पिछड़ों का आरक्षण खत्म करना चाहता है। यही वजह है कि राजनीतिक इस पर चर्चा के लिए भी तैयार भी नहीं होते हैं।

देश की राजधानी दिल्ली में नीट पेपर लीक के विरोध मे युवाओं के एक महीने लंबे आंदोलन के सफल होने का परिणाम यह हुआ है कि अब जंतर मंतर में अपनी मांगों को लेकर कई संगठनों ने आंदोलन शुरू कर दिया है ।स्वाभाविक है कि एक आंदोलन सफल होता है तो दूसरे संगठनों को भी लगता है कि हम आंदोलन करेंगे तो हमारा आंदोलन भी सफल हो सकता है। हमारे आंदोलन से भी देश का हर वर्ग जुड़ सकता है और सरकार को हमारी मांगों पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है ।सीजेपी के आंदोलन के बाद जंतर मंतर में देश के युवाओं का आरक्षण हटाओ या आरक्षण में सुधार की मांग को लेकर जो आंदोलन हो रहा है ।उससे सत्तारूढ़ भाजपा की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है कि विपक्ष इस मुद्दे को उसके खिलाफ उपयोग कर सकता है। सरकार भले ही आरक्षण को लेकर कुछ न करने वाली हो लेकिन विपक्ष सरकार के खिलाफ यह अफवाह तो फैला ही सकता है कि सरकार सवर्ण युवाओं के दबाव में आकर आरक्षण सुधार करने वाला है। इससे दलितों व पिछड़ों का आरक्षण कम हो सकता है और उनको नुकसान हो सकता है।

विपक्ष लोकसभा चुनाव 2024 के पहले संविधान खत्म करने और आरक्षण समाप्त करने की अफवाह फैलाकर राजनीतिक रूप से यूपी में फायदे में रहा था और भाजपा को इसका नुकसान हुआ था और भाजपा को केंद्र में बहुमत नहीं मिल सका था। उसे दूसरे दलों के सहयोग से सरकान बनानी पड़ी थी। कांग्रेस व विपक्ष के मुंह झूठ का खून लग गया है और इससे उनको यूपी में फायदा हुआ है तो वह जंतर मंतर में आरक्षण हटाओं व आरक्षण सुधार के नाम पर जो आंदोलन हो रहा है, इसके नाम पर फिर एक बार यूपी में आरक्षण समाप्त करने या सुधार करने की अफवाह फैलाकर फायदा उठाने की सोच सकता है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 मे होना है यानी कुछ महीने ही बचे हैं ।इस दौरान यदि देश में आरक्षण समाप्त करने या आरक्षण में सुधार का मुद्दा बना रहा तो चुनाव के दौरान में यह एक बड़ा व प्रभावी मुद्दा रह सकता है। कांग्रेस व सपा तो सोच सकते हैं कि हम एक बार इस मुद्दे पर यूपी में फायदे में रहे हैं तो इस बार के चुनाव में भी हम इसका फायदा तो उठा ही सकते हैं।

यूपी विधानसभा चुनाव के पहले आरक्षण का मुद्दा गरमाया हुआ है तो इसकी वजह यह है कि .यूपी में जातिगत व सामाजिक समीकरण ही जीत की कुंजी है ।भाजपा की जीत का आधार यहां सवर्ण,गैर यादव,ओबीसी व दलित वोट हैं। इनको तोड़ना विपक्ष के लिए आसान नहीं है लेकिन विपक्ष सोच सकता है कि यदि आरक्षण के नाम पर सवर्ण भाजपा से नाराज होता है तो इससे उनको फायदा हो न हो भाजपा को नुकसान होगा। भाजपा को नुकसान मतलब विकल्प के रूप में मौजूद सपा कांग्रेस गठबंधन को फायदा है। सवर्ण युवाओं का आंदोलन चलता रहा तो सपा और कांग्रेस को पहले की तरह भाजपा आरक्षण विरोधी बताने में आसानी होगी। इससे नाराज सवर्ण व दलितों को भाजपा से मोहभंग हो सकता है और चुनाव में पहले की तरह बड़ा राजनीतिक नुकसान हो सकता है। जंतर मंतर में सवर्ण युवाओं का आंदोलन भाजपा के लिए एक बड़ी परेशानी है क्योंकि इससे उसके सवर्ण व दलित वोट का नुकसान हो सकता है ।इसे भाजपा को समाप्त करना है और इस तरह समाप्त करना है कि सवर्ण भी नाराज न हो और दलित भी नाराज न हो।

जंतरमंतर में युवाओं के आरक्षण सुधार की मांग को लेकर शुरू हुए आंदोलन के बाद अलग अलग दलों के नेताओं की बयानबाजी भी शुरू हो गई है। ज्यादातर लोग तो आरक्षण को बनाए रखने का बयान जारी कर रहे हैं। दलितों की नेता मायावती ने जाति आधारित आरक्षण की जगह आर्थिक आधार पर आरक्षण का विरोध किया है ।उनका मानना है कि ऐसा कदम देशहित में नहीं होगा ।सपा नेता अखिलेश यादव ने कहा है कि आरक्षण संवैधानिक अधिकार है,यह किसी की इच्छा का विषय नहीं है,आरक्षण सुधार के नाम पर आरक्षण समाप्ति का षड्यंत्र पिछड़े व दलितों के हितों के खिलाफ है। भाजपा व उसके साथी समय समय पर कभी आरक्षण की समीक्षा तो कभी आरक्षण में सुधार तो कभी क्रीम लेयर के नाम पर आरक्षण का विरोध करते हैं ।उनका दो टूक कहना है कि आरक्षण था, आरक्षण है और आरक्षण रहेगा। इसी तरह एनडीए सरकार के मंत्री चिराग पासवान का कहना है कि आरक्षण को किसी के कहने से खत्म नहीं किया जा सकता ।यह खैरात नहीं संवैधानिक अधिकार है ।दुनिया को कोई भी ताकत इस हटा नही सकती। यानी वोटों के ध्रुवीकरण के लिए नेताओं का ध्रुवीकरण शुरू हो गया है।

विकसित भारत की राह में जर्जर शिक्षा व्यवस्था सबसे बड़ा सवाल

ललित गर्ग

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। एक शिक्षक, टूटती दीवारें और घटते सरकारी स्कूल-क्या शिक्षा के बिना 2047 का सपना पूरा होगा? दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में देश की प्रगति, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां, आधारभूत ढांचे का विस्तार और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव निश्चित रूप से गौरव का विषय हैं। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे यदि हम सरकारी स्कूलों की ओर देखें तो एक दूसरा भारत दिखाई देता है-ऐसा भारत जहां हजारों बच्चे आज भी पर्याप्त शिक्षकों, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सवाल यह है कि जिस शिक्षा-व्यवस्था पर विकसित भारत की नींव रखी जानी है, उसकी बुनियाद ही कमजोर होगी तो 2047 का भारत कितना मजबूत होगा? सरकारी आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं। यूडीआईएसई प्लस 2024-25 के अनुसार देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है और इन स्कूलों में करीब 33.77 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। यानी एक शिक्षक को कई कक्षाओं, अनेक विषयों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच बच्चों की शिक्षा संभालनी पड़ रही है। यह केवल संख्या नहीं, बल्कि उन लाखों बच्चों के भविष्य की कहानी है, जिनके लिए सरकारी स्कूल शिक्षा का सबसे सुलभ और कई बार एकमात्र माध्यम हैं।

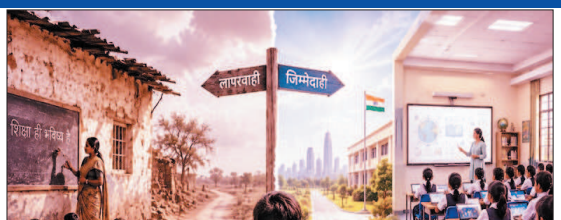

विडंबना यह है कि उसी देश में हम विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल संस्थानों और अत्याधुनिक शिक्षण परिसरों की चर्चा करते हैं, लेकिन गांव के उस बच्चे की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देते जो टूटी छत के नीचे बैठकर भविष्य के सपने देख रहा है। कहीं शिक्षक एक है और कक्षाएं पांच। कहीं विद्यालय भवन जर्जर है, कहीं पानी नहीं, कहीं शौचालय नहीं, कहीं बिजली और पंखे नहीं। हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में विद्यार्थियों को अधिक शिक्षक, बेहतर भोजन, पेयजल, पंखे और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ा। फतेहपुर में तो लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने जर्जर कक्षाओं, रिसती छतों और सुरक्षित पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रदर्शन किया। यह स्थिति केवल किसी एक राज्य अथवा किसी एक सरकार की विफलता नहीं है। यह वर्षों से चली आ रही उस प्रशासनिक सोच का परिणाम है जिसमें शिक्षा को प्राथमिकता तो भाषणों में दी गई, लेकिन उसकी गुणवत्ता और जवाबदेही को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में स्थान नहीं मिला। शिक्षा विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की बड़ी व्यवस्था है, बजट है, योजनाएं हैं, समितियां हैं, निरीक्षण तंत्र है-फिर भी एक शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूल कैसे बने रहे? यह सवाल केवल सरकार से नहीं, पूरे प्रशासनिक तंत्र से पूछा जाना चाहिए।

निश्चित रूप से तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक भी नहीं है। यूडीआईएसई प्लस के अनुसार 2024-25 में देश में कुल 14.71 लाख स्कूल, करीब 24.69 करोड़ विद्यार्थी और एक करोड़ से अधिक शिक्षक हैं। सरकारी स्कूलों की संख्या 10.13 लाख है, जबकि निजी मान्यता प्राप्त स्कूल करीब 3.40 लाख हैं। सरकार के आंकड़े यह भी बताते हैं कि एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या 2023-24 के 1,10,971 से घटकर 2024-25 में 1,04,125 हुई है और कंप्यूटर सुविधा वाले स्कूलों का अनुपात 57.2 प्रतिशत से बढ़कर 64.7 प्रतिशत हुआ है। इन सुधारों को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन इन्हें अंतिम उपलब्धि मान लेना आत्मसंतोष होगा। क्योंकि शिक्षा की असली कसौटी भवन, कंप्यूटर या आंकड़े नहीं, बच्चे की सीखने की क्षमता और उसके भविष्य का निर्माण है।

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट एक और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखती है। 2014-15 में देश में 11.07 लाख सरकारी स्कूल थे, जो 2024-25 में घटकर 10.13 लाख रह गए। इसके विपरीत निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों की संख्या 2.88 लाख से बढ़कर 3.39 लाख हो गई। यह परिवर्तन केवल स्कूलों की संख्या का उतार-चढ़ाव नहीं है, यह अभिभावकों की बदलती पसंद और सरकारी शिक्षा में घटते विश्वास का संकेत भी है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जब सरकार के पास भवन है, जमीन है, प्रशिक्षित शिक्षक हैं, वेतन देने की क्षमता है और विशाल प्रशासनिक तंत्र है, तब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से पीछे क्यों हैं? निजी स्कूलों की आलोचना करना आसान है, लेकिन यह भी देखना होगा कि अभिभावक अपनी सीमित आय में फीस देकर भी निजी स्कूल क्यों चुन रहे हैं। इसका उत्तर सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, अनुशासन, नियमितता, अंग्रेजी एवं तकनीकी शिक्षा, अभिभावक संवाद और सीखने के वातावरण में छिपा है। एसीईआर के आंकड़े भी इस अंतर को रेखांकित करते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में कक्षा 3 के बच्चों में कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ पाने वालों का अनुपात सरकारी स्कूलों में 23.4 प्रतिशत था, जबकि निजी स्कूलों में 35.5 प्रतिशत। कक्षा 5 में भी सरकारी स्कूलों का आंकड़ा 44.8 प्रतिशत और निजी स्कूलों का 59.3 प्रतिशत रहा। यानी समस्या केवल स्कूल भवन की नहीं, सीखने के परिणामों की भी है।

इसी के समानांतर उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तस्वीर भी चिंता पैदा करती है। पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितता, भर्ती में देरी और युवाओं के आंदोलनों की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। 2026 में परीक्षा संबंधी विवादों ने विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों में असंतोष को व्यापक बनाया। इसका अर्थ यह है कि समस्या शिक्षा-व्यवस्था के निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक फैली हुई है। प्राथमिक स्कूल में कमजोर नींव, माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता का संकट और उच्च शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता का सवाल-इन सबको अलग-अलग देखकर समाधान नहीं निकलेगा। सरकारी स्कूल वास्तव में भारत की सामाजिक समानता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन स्कूलों में ग्रामीण परिवारों, श्रमिकों, गरीबों, वंचित वर्गों और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चे बड़ी संख्या में पढ़ते हैं। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता गिरती है तो सबसे अधिक नुकसान उसी वर्ग को होता है जिसके पास महंगे निजी स्कूलों का विकल्प नहीं है। इसलिए सरकारी स्कूलों की बदहाली केवल शिक्षा का संकट नहीं, सामाजिक न्याय का संकट भी है।

यहां एक कठोर लेकिन सार्थक सुझाव पर विचार होना चाहिए-क्या जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के लिए कुछ निश्चित परिस्थितियों में सरकारी स्कूलों में शिक्षा को प्रोत्साहित अथवा अनिवार्य करने जैसी व्यवस्था बनाई जा सकती है? जब नीति बनाने वाले परिवार स्वयं उसी व्यवस्था का अनुभव करेंगे, तब शायद स्कूल की टूटी खिड़की, बंद शौचालय, शिक्षक की कमी और खराब मिड-डे-मील केवल फाइल की टिप्पणी नहीं रहेंगे, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव बन जाएंगे। शिक्षा को केवल मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति, यूनिफॉर्म या मुफ्त पुस्तकों की योजनाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। ये आवश्यक हैं, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चे को स्कूल तक पहुंचाना नहीं, उसे ज्ञान, विवेक, कौशल, संस्कार और आत्मविश्वास से संपन्न नागरिक बनाना है। जिस बच्चे को आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलेगी, उससे कल विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी योगदान की अपेक्षा कैसे की जा सकती है?

सरकार को अब घोषणाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रीय सरकारी स्कूल कायाकल्प मिशन जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक स्कूल के लिए शिक्षक उपलब्धता, भवन की सुरक्षा, पेयजल, बिजली, डिजिटल सुविधा, शौचालय, पुस्तकालय, खेल मैदान और सीखने के परिणामों के स्पष्ट मानक तय हों। हर स्कूल का सार्वजनिक डैशबोर्ड हो और हर वर्ष यह बताया जाए कि कितने बच्चे पढ़ना, लिखना और गणित करना सीख पाए। शिक्षक नियुक्ति में पारदर्शिता हो और राजनीतिक हस्तक्षेप पर कठोर अंकुश लगे। स्कूल प्रबंधन समितियों को वास्तविक अधिकार दिए जाएं तथा जिला स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। सबसे जरूरी है कि शिक्षा को राजनीति से ऊपर उठाया जाए। सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि सरकारी स्कूल किसी पार्टी के नहीं, भारत के भविष्य के स्कूल हैं। यदि किसी राजनीतिक दल को स्कूलों की बदहाली दिखाई देती है तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन मुद्दा राजनीतिक श्रेय का नहीं, बच्चों के भविष्य का होना चाहिए।

भारत को रीसाइक्लिंग केंद्र बनना है, दुनिया का कूड़ाघर नहीं

प्रो. आरके जैन

किसी देश की सीमाएं केवल नक्शे की रेखाएं नहीं; वे मिट्टी, पानी, हवा और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की चौकी हैं। जब समुद्र पार से आया जहाज माल नहीं, दूसरे देश का कचरा उगलता है, तो मामला सीमा शुल्क से उठकर राष्ट्र की अस्मिता तक पहुंच जाता है। जून 2026 में तमिलनाडु के तूतीकोरिन बंदरगाह पर वेस्ट पेपर बताकर लाए कंटेनरों से इस्तेमाल प्लास्टिक बोतलें, डिब्बे, थैलियां और विदेशी सड़कों की झाड़-पोंछ निकलना इसी सच्चाई का प्रमाण है। मद्रास हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डी. भारथा चक्रवर्ती ने इसे नियमों की धज्जियां उड़ाना नहीं, बल्कि भारत की धरती पर कचरा उड़ेलने वाला देशद्रोह का गंभीर रूप कहा। यह शब्द चौंकाते हैं, क्योंकि हम पर्यावरणीय अपराध को अभी तक राष्ट्रीय अपराध की तरह देखना नहीं सीख पाए हैं।

विडंबना की इससे बड़ी तस्वीर क्या होगी—जिस देश में रोज लगभग 1.7 लाख टन नगरपालिका कचरा पैदा होता है, लैंडफिल कराह रहे हैं, नदियां प्लास्टिक से घुट रही हैं और मिट्टी में जहर उतर रहा है, वही भारत विदेशों का कचरा खरीद रहा है। 2024-25 में पुनर्चक्रण योग्य कचरे और स्क्रैप का आयात 12.74 अरब डॉलर पहुंच गया, जबकि 2021 से 2023 के बीच करीब दो करोड़ किलोग्राम प्लास्टिक कचरा (आधिकारिक और अवैध/गलत घोषणा वाले दोनों स्रोतों को मिलाकर) देश में आया। सवाल यह नहीं कि कितना कचरा काम आ सकता है; सवाल है कि जब देश में रीसाइक्लिंग उद्योग के लिए पर्याप्त सामग्री है, तो विदेशी कचरे की जरूरत किसे? यदि जवाब कारोबारी मुनाफा है, तो यह व्यापार नहीं, मुनाफे की पैकिंग में छिपा पर्यावरणीय शोषण है।

यहां एक नए किस्म का उपनिवेशवाद जन्म लेता है। पहले शक्तिशाली देश गरीब देशों की जमीन और संसाधन हड़पते थे; अब अपने कचरे के लिए उन्हीं देशों की कमजोर निगरानी और सस्ते श्रम को खोजते हैं। विकसित देशों में पर्यावरणीय नियम जितने कठोर होते जाते हैं, जहरीला बोझ कमजोर व्यवस्थाओं वाले देशों पर डालने का लालच उतना बढ़ता है। भारत यदि इसे स्वीकार करता है तो वह केवल विदेशी कचरा नहीं खरीद रहा, बल्कि अपने लोगों का स्वास्थ्य, मिट्टी की उर्वरता और नदियों का भविष्य गिरवी रख रहा है। इसे वेस्ट कोलोनियलिज्म कहना अतिशयोक्ति नहीं। कचरा भी सत्ता का औजार हो सकता है—बस उसकी भाषा व्यापार और पुनर्चक्रण की होती है।

मद्रास हाईकोर्ट का महत्व यही है कि उसने सवाल को केवल यह कचरा कहां जाए तक सीमित नहीं किया। अदालत ने न दुबई भेजने, न भारत में जलाने-दफनाने की अनुमति स्वीकार की। बासेल कन्वेंशन और खतरनाक अपशिष्ट नियम, 2016 की भावना स्पष्ट है—अवैध कचरा उसी देश को लौटना चाहिए जहां से वह आया है। उसे किसी तीसरे देश के गरीब हिस्से में भेजना समाधान नहीं, अपराध की जिम्मेदारी खिसकाना है। घरेलू भट्टियों में जला देना भी नैतिक विजय नहीं, क्योंकि वही विष धुएं के रूप में लौटेगा। अदालत ने केंद्र से बायोमेडिकल और नगरपालिका कचरे के पुनः निर्यात संबंधी प्रावधानों को स्पष्ट और कठोर बनाने का आग्रह कर जिम्मेदारी को नीति के दरवाजे तक पहुंचा दिया है।

सबसे बड़ा विरोधाभास हमारे नारों में छिपा है। एक ओर स्वच्छ भारत, प्लास्टिक नियंत्रण और आत्मनिर्भरता की घोषणाएं हैं; दूसरी ओर बंदरगाहों पर विदेशी कचरे के कंटेनर खुलते हैं। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ उत्पादन में आत्मनिर्भर होना है, तो क्या कचरे में आत्मनिर्भर होने का गौरव नहीं? हम अपना कचरा नहीं संभाल पा रहे और दूसरों का कचरा संभालने को बंदरगाह खोल रहे हैं। मिट्टी, पानी और खाद्य श्रृंखला में घुलते विष आज न दिखें, पर आने वाली पीढ़ियां उनकी कीमत स्वास्थ्य, बीमारी और घटती जीवन-गुणवत्ता से चुकाएंगी। ऐसी विकास-रफ्तार किस काम की, जिसके पीछे जहरीला पदचिह्न छूटे?

समाज की चुप्पी इस कारोबार की सबसे बड़ी ताकत है। यह मामला उतनी बड़ी सार्वजनिक बहस नहीं बन पाया, जितनी बननी चाहिए थी। पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा से अलग देखना अब पुरानी सोच है। जैसे सीमा पार हथियारों की तस्करी खतरा है, वैसे ही जहरीला कचरा भी। फर्क इतना—हथियार एक दिन में मारते हैं, कचरा वर्षों में। उद्योगपति मुनाफा गिनता है, अधिकारी कागज, नागरिक अस्पताल की पर्ची। इस त्रिकोण को तोड़े बिना कोई स्वच्छता अभियान सफल नहीं होगा। अदालत की चेतावनी को महज न्यायिक टिप्पणी समझना भूल होगी; यह उस सार्वजनिक विवेक को जगाने का प्रयास है, जो धीरे-धीरे सुविधा का आदी हो गया है।

रास्ता कठिन है, अस्पष्ट नहीं। संदिग्ध या गलत घोषित कचरे पर कठोर दंड हो, बंदरगाहों पर वैज्ञानिक और स्वतंत्र जांच हो, आयात नियमों की आड़ में छिपे रास्ते बंद हों और पुनर्चक्रण उद्योग को विदेशी कचरे पर निर्भर बनाने के बजाय देश में पैदा कचरे के वैज्ञानिक उपयोग की ओर मोड़ा जाए। पूर्ण प्रतिबंध पर विचार करना होगा, खासकर उन कचरा श्रेणियों पर जिनका घरेलू प्रबंधन संकट में है। सर्कुलर इकोनॉमी का अर्थ दुनिया भर का कचरा भारत में घुमाना नहीं; संसाधनों का बार-बार उपयोग और अपशिष्ट न्यूनतम करना है। 2047 का विकसित भारत कचरे के आयात से विकसित नहीं होगा। वह तब विकसित कहलाएगा, जब बंदरगाह माल के लिए खुलें, कचरे के लिए नहीं।

मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी का गहरा अर्थ यही है कि पर्यावरणीय स्वतंत्रता भी स्वतंत्रता का रूप है। राजनीतिक आजादी हमें शासन चुनने का अधिकार देती है; पर्यावरणीय संप्रभुता यह अधिकार देती है कि अपनी धरती के साथ क्या करना है, इसका फैसला हम करें। भारत की जमीन किसी दूसरे देश की सफाई का सस्ता विकल्प नहीं हो सकती। विदेशी कचरा लौटाना केवल कंटेनर लौटाना नहीं; उस मानसिकता को लौटाना है, जिसमें गरीब देश को अमीर दुनिया का कूड़ाघर मान लिया जाता है। अब फैसला भारत को करना है—वह अपनी शर्तों पर दुनिया का रीसाइक्लिंग केंद्र बनेगा या कूड़ाघर। इन दोनों रास्तों का फर्क केवल नीति का नहीं, राष्ट्रीय आत्मसम्मान का है।

रक्षाबंधन : एक धागा, एक भरोसा और चाचा का वचन

लेखक-कैलाश जैन बरमेचा

रक्षाबंधन आते ही अक्सर हमारी आँखों के सामने एक दृश्य उभरता है—बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती है और भाई उसकी रक्षा का वचन देता है। लेकिन क्या रक्षा का यह रिश्ता केवल भाई और बहन तक ही सीमित है? शायद नहीं। रक्षा का अर्थ केवल किसी संकट से बचाना नहीं है। रक्षा का अर्थ है—किसी के जीवन में ऐसा भरोसा बनकर खड़े रहना कि वह कठिन समय में अकेली महसूस न करे। और यह भरोसा कभी-कभी भाई से आगे बढ़कर चाचा, मामा, पिता समान किसी रिश्ते में भी दिखाई देता है।

मेरी भतीजी भावना के लिए रक्षाबंधन का अर्थ कुछ ऐसा ही है। भावना आज एक समझदार, आत्मनिर्भर और अपने पैरों पर खड़ी युवती है। वह अपने जीवन को समझती है, अपनी जिम्मेदारियाँ निभाती है और महिला सशक्तिकरण की भावना को जीती है। लेकिन आत्मनिर्भर होने का अर्थ यह तो नहीं कि जीवन में कभी किसी अपने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

जीवन चाहे कितना भी मजबूत क्यों न बना दे, कुछ क्षण ऐसे आते हैं जब एक बेटी को पिता की कमी महसूस होती है।

भावना के माता-पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं। समय बीत गया, भावना बड़ी हो गई, समझदार हो गई, अपने जीवन में आगे बढ़ गई; लेकिन माता-पिता की जगह कोई नहीं ले सकता। पिता की याद तो कभी किसी पुराने प्रसंग में, कभी किसी छोटी-सी परेशानी में और कभी किसी ऐसे निर्णय के समय अचानक सामने आ जाती है, जब मन कह उठता है—काश! आज पिताजी होते।

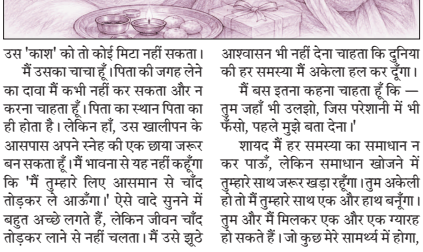

उस 'काश' को तो कोई मिटा नहीं सकता।

मैं उसका चाचा हूँ। पिता की जगह लेने का दावा मैं कभी नहीं कर सकता और न करना चाहता हूँ। पिता का स्थान पिता का ही होता है। लेकिन हाँ, उस खालीपन के आसपास अपने स्नेह की एक छाया जरूर बन सकता हूँ। मैं भावना से यह नहीं कहूँगा कि 'मैं तुम्हारे लिए आसमान से चाँद तोड़कर ले आऊँगा।' ऐसे वादे सुनने में बहुत अच्छे लगते हैं, लेकिन जीवन चाँद तोड़कर लाने से नहीं चलता। मैं उसे झूठे आश्वासन भी नहीं देना चाहता कि दुनिया की हर समस्या मैं अकेला हल कर दूँगा।

मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि — तुम जहाँ भी उलझो, जिस परेशानी में भी फँसो, पहले मुझे बता देना।'

शायद मैं हर समस्या का समाधान न कर पाऊँ, लेकिन समाधान खोजने में तुम्हारे साथ जरूर खड़ा रहूँगा। तुम अकेली हो तो मैं तुम्हारे साथ एक और हाथ बनूँगा। तुम और मैं मिलकर एक और एक ग्यारह हो सकते हैं। जो कुछ मेरे सामर्थ्य में होगा, उसे करने में मैं पीछे नहीं हटूँगा।

क्योंकि रक्षा का अर्थ यह नहीं कि किसी को कमजोर समझकर उसकी रक्षा की जाए। रक्षा का अर्थ है—किसी मजबूत इंसान को भी यह एहसास दिलाना कि जरूरत पड़ने पर उसके पीछे एक अपना खड़ा है। भावना को शायद किसी ऐसे चाचा की जरूरत नहीं जो हर कदम पर उसका हाथ पकड़कर चलाए। उसे तो केवल इतना भरोसा चाहिए कि जब कभी रास्ता कठिन हो जाए, कोई ऐसा अपना है जिसे वह निसंकोच कह सके—चाचा, मुझे आपकी जरूरत है।

और उस समय चाचा का जवाब बस इतना हो— 'बताओ, क्या हुआ? मैं हूँ न।' यही शायद रक्षाबंधन का सबसे सुंदर अर्थ है। राखी की डोरी कलाई पर बंधती है, लेकिन उसका असली बंधन दिल में होता है। वह हमें याद दिलाती है कि रिश्ते केवल खून से नहीं, विश्वास, जिम्मेदारी और स्नेह से भी मजबूत होते हैं।

भावना आत्मनिर्भर है, समृद्ध है, समझदार है और अपने जीवन को स्वयं संभाल सकती है। फिर भी उसके चाचा के मन में उसके लिए एक छोटी-सी जगह हमेशा ऐसी रहेगी, जहाँ वह चाहे तो अपनी सारी चिंताएँ कुछ देर के लिए रख सकती है। चाचा पिता की जगह नहीं ले सकता। लेकिन कभी-कभी पिता की अनुपस्थिति से पैदा हुए खालीपन के पास बैठकर उसका दर्द थोड़ा कम जरूर कर सकता है और शायद चाचाझभतीजी के रिश्ते की यही खूबसूरती है।

इस रक्षाबंधन पर भावना की कलाई पर बंधी राखी को देखकर चाचा के मन में कोई बड़ा दावा नहीं, कोई असंभव वादा नहीं—बस एक सच्चा संकल्प है: 'तुम्हें दुनिया में अपने पैरों पर मजबूती से खड़ा होना है, मैं तुम्हारे रास्ते में दीवार नहीं, तुम्हारे पीछे खड़ा सहारा बनकर रहूँगा। जहाँ तुम्हारी ताकत कम पड़ेगी, वहाँ अपनी ताकत जोड़ दूँगा। जहाँ तुम्हें लगेगा कि तुम अकेली हो, वहाँ तुम्हें याद दिलाऊँगा—तुम अकेली नहीं हो।' यही रक्षाबंधन है।

एक धागा नहीं, एक भरोसा।
एक रस्म नहीं, एक जिम्मेदारी।

और केवल भाई-बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि उन तमाम रिश्तों की आत्मीयता, जो कहते हैं—'तुम अपनी लड़ाई खुद लड़ो, लेकिन जब कभी जरूरत पड़े, पीछे मुड़कर देखना-तुम्हारा अपना कोई वहीं खड़ा मिलेगा।'

कविता का कोना

राखी का बंधन

मेरे प्यारे भैया, राखी बंधवा लो,
अपनी प्यारी बहना का मान बढ़ा दो।
प्रेम का ये बंधन सबसे प्यारा,
भैया तू ही है मेरा सहारा।
बचपन से तेरा-मेरा साथ रहा,
हर सुख-दुख में तू मेरे पास रहा।
आज राखी पर मुझसे वादा करना,
हर जन्म में मेरा भैया बनकर रहना।
रेशम की डोरी में प्यार सजाया है,
बहना ने दिल से रिश्ता निभाया है।
जैसे-जैसे हम बड़े होते जाएँ,
वैसे-वैसे और करीब आते जाएँ।
भैया-बहन का ये प्यारा रिश्ता,
हर जन्म में यूँ ही बना रहे।

रक्षाबंधन

कवियत्री
ममता दुबे भिलाई

खास खबर

जनआशीर्वाद से अभिभूत हुई विधायक भावना बोहरा जन्मदिन पर बधाई देने उमड़ा लोगों का जनसैलाब

कवर्धा। पंडरिया विधानसभा की विधायक भावना बोहरा के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को क्षेत्र में उत्साह, आत्मीयता और जनस्नेह का अभूतपूर्व वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही पंडरिया विधानसभा सहित कबीरधाम जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवा, महिलाएं, वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे। ग्राम रणवीरपुर में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 10000 से अधिक लोगों की सहभागिता ने जन्मदिन समारोह को जनआशीर्वाद के एक बड़े उत्सव में बदल दिया।

जन्मदिन के अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने टीम हरीतिमा व भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ कवर्धा में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात उन्होंने माँ महामाया, बुढ़ा महादेव एवं खेड़ापति हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन कर छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, प्रदेशवासियों के स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन तथा पंडरिया विधानसभा की उन्नति की कामना की। उन्होंने कवर्धा स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजनों के साथ समय बिताया, उनका कुशलक्षेम जाना और फल वितरित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद रणवीरपुर जाते समय कबीरधाम जिला भाजपा कार्यालय, उड़ियाखुर्द, सहसपुर लोहारा, सिल्हाटी मोड़, विचारपुर, सिंगारपुर, रणजीतपुर, जमुनिया सहित विभिन्न स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने आत्मीय स्वागत किया। सिल्हाटी चौक, सिंगारपुर, रंजीतपुर एवं जमुनिया में भी बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने विधायक भावना बोहरा का स्वागत कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

उनके गृह ग्राम रणवीरपुर में आयोजित कार्यक्रम में हजारों की संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी विधायक भावना बोहरा को बधाई, शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम में जमकर झूमते नजर आए। इस दौरान भावना बोहरा ने ग्राम सेमरहा के अपने बच्चों के साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने क्षेत्रवासियों, पार्टी संगठन एवं कार्यकर्ताओं, वरिष्ठजनों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडरिया विधानसभा की जनता ने जिस आत्मीयता, स्नेह और विश्वास के साथ उनके जन्मदिन को जनउत्सव में बदल दिया।

दुर्ग जिला अस्पताल पहुंची डब्ल्यूएचओ की टीम, नॉर्मल डिलीवरी बढ़ाने पर दिया जोर

बर्थ कम्पेनियन, म्यूजिक और एक्सरसाइज की सुविधा देने के दिए सुझाव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला अस्पताल दुर्ग में सोमवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन से जुड़ी दो सदस्यीय स्वास्थ्य टीम ने मदर एंड चाइल्ड केयर यूनिट का निरीक्षण किया। टीम ने अस्पताल में नॉर्मल डिलीवरी को बढ़ावा देने और चिकित्सकीय आवश्यकता नहीं होने पर सिजेरियन डिलीवरी से बचने पर जोर दिया। इस दौरान प्रसव के दौरान गर्भवती महिलाओं को बेहतर, सुरक्षित और तनावमुक्त माहौल उपलब्ध कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। दोपहर करीब 12 बजे WHO की टीम जिला अस्पताल पहुंची। टीम में डॉ. अरुण कुमार सिंह भी शामिल थे। सबसे पहले सिविल सर्जन डॉ. आशीष मिंज के साथ बैठक हुई, जो करीब एक घंटे चली। इसके बाद टीम ने MCH यूनिट और SNCU का निरीक्षण किया तथा गायनेकोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिशियन और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों से चर्चा की।

सिजेरियन की बढ़ती संख्या पर जताई चिंता : MCH यूनिट की प्रभारी डॉ. विनीता धुर्वे ने बताया कि अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी की संख्या बढ़ रही है, जबकि नॉर्मल डिलीवरी के मामले अपेक्षाकृत कम हो रहे हैं। इसे देखते हुए WHO की टीम ने लेबर रूम की व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली में बदलाव के सुझाव दिए। टीम ने प्रसव के दौरान महिला को मानसिक सहारा और सहज वातावरण देने के लिए, उसकी पसंद के किसी व्यक्ति को बर्थ कम्पेनियन यानी जन्म सहयोगी के रूप में साथ रखने की सलाह दी। इससे प्रसूता को अकेलापन कम महसूस होगा और वह प्रसव के दौरान अधिक सुरक्षित एवं सहज महसूस कर सकेगी।

मां को सुनाई जाए बच्चे की धड़कन : WHO की टीम ने अस्पताल में डॉप्लर सुविधा शुरू करने का सुझाव दिया। डॉप्लर उपकरण की मदद से गर्भ में पल रहे बच्चे की दिल की धड़कन सुनी और उसकी गति की निगरानी की जा सकती है। टीम ने स्वास्थ्यकर्मियों को सलाह दी कि गर्भवती महिलाओं को भी इस प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी जाए, ताकि उन्हें अपने गर्भस्थ शिशु की धड़कन सुनने का अनुभव मिल सके।

महिला की सुविधा के अनुसार हो प्रसव : टीम ने प्रसव के दौरान महिलाओं को उनकी सुविधा के अनुसार पोजीशन देने पर भी जोर दिया। एक ही तय स्थिति में प्रसव कराने के बजाय महिला जिस स्थिति में खुद को अधिक आरामदायक महसूस करे, उसी अनुसार प्रसव कराने की व्यवस्था विकसित करने की सलाह दी गई। इसके लिए पारंपरिक डिलीवरी टेबल के बजाय जरूरत के अनुसार बेड का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया। लेबर वार्ड में महिलाओं की प्राइवेसी को बेहतर बनाने के लिए पर्दों की जगह पार्टिशन लगाने की सलाह भी दी गई, जिससे प्रत्येक प्रसूता के लिए अपेक्षाकृत अलग और निजी स्थान उपलब्ध हो सके।

बर्थिंग बॉल और म्यूजिक की भी सलाह : WHO टीम ने बिना चिकित्सकीय आवश्यकता के प्रसव शुरू कराने यानी अनावश्यक इंडक्शन से बचने की सलाह दी। प्रसव के दौरान महिलाओं को हल्की एक्सरसाइज और मूवमेंट की सुविधा देने के लिए बर्थिंग बॉल उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया। इसके अलावा प्रसूता को तनावमुक्त और रिलैक्स रखने के लिए उसकी पसंद के अनुसार हल्का म्यूजिक चलाने की व्यवस्था करने की बात कही गई।

प्रसव के बाद ऑक्सीटोसिन के उपयोग पर चर्चा : प्रसव के बाद ऑक्सीटोसिन के इस्तेमाल को लेकर भी टीम ने स्वास्थ्यकर्मियों से चर्चा की। टीम ने बच्चे के जन्म के बाद प्लेसेंटा निकलने के पश्चात ऑक्सीटोसिन के उपयोग को लेकर सुझाव दिए। साथ ही प्रसव के दौरान महिला की सुविधा, सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान WHO टीम ने लेबर वार्ड के स्टाफ से सीधे बातचीत कर वर्तमान व्यवस्थाओं की जानकारी ली और मरीजों की सुरक्षा तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक बदलावों पर चर्चा की। अस्पताल प्रबंधन ने टीम के सुझावों के अनुरूप व्यवस्थाओं में सुधार की दिशा में आवश्यक पहल करने की बात कही।

बीएसपी के सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 भिलाई में साइबर सुरक्षा जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसपी के सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10, भिलाई में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बढ़ते साइबर अपराधों तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में कक्षा ग्यारहवीं व बारहवीं के लगभग 400 विद्यार्थियों तथा विद्यालय के लगभग 40 शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सीएसपी, भिलाई निशांत पाठक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित सब इंस्पेक्टर डॉ. संकल्प राय ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के स्वरूप और ऑनलाइन ठगी के विभिन्न तरीकों से अवगत कराते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय सतर्कता बरतने पर जोर दिया।

वक्ताओं ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, अनजान कॉल एवं संदेशों से सावधान रहने तथा ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाते और अन्य संवेदनशील जानकारी किसी के साथ साझा न करने की सलाह दी। साथ ही सोशल मीडिया का सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग, मजबूत पासवर्ड रखने, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क में सावधानी बरतने तथा किसी भी संदिग्ध डिजिटल गतिविधि की स्थिति में तत्काल अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को जानकारी देने के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यशाला में साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूकता के साथ-साथ विद्यार्थियों को यह समझाने पर भी जोर दिया गया कि साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक डिजिटल उपयोगकर्ता की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने विद्यार्थियों से सुरक्षित डिजिटल आदतों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी अपने परिवार एवं आसपास के लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस प्रकार विद्यार्थी अपने परिवार और समाज में साइबर जागरूकता के प्रभावी वाहक की भूमिका निभा सकते हैं।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुमिता सरकार ने भी साइबर सुरक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ व्याख्याता तरुण कुमार साहू ने किया। अंत में उप-प्राचार्या श्रीमती सविता तिवारी ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, वक्ताओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सभी के योगदान की सराहना की।

साधु के भेष में पोटलियों में छिपाकर ले जा रहे थे गांजा, आरपीएफ ने किया 2 को गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

रेलवे सुरक्षा बल ने नशीले पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन नारकोस के तहत निगौरा रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई की है। आरपीएफ की टास्क टीम ने साधु की वेशभूषा में गांजा लेकर घूम रहे दो लोगों को पकड़ लिया। दोनों के पास मौजूद कपड़ों की पोटलियों से कुल 15 किलो 540 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 7 लाख 77 हजार रुपये बताई गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरपीएफ की टास्क टीम बीती रात करीब 1:15 बजे निगौरा रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में जांच अभियान चला रही थी। टीम द्वारा स्टेशन परिसर में मौजूद संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों और उनके सामान पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान साधु के भेष में घूम रहे दो व्यक्तियों की गतिविधियां संदिग्ध दिखाई दीं। आरपीएफ कर्मचारियों ने दोनों को रोककर उनके नाम, पते और यात्रा से संबंधित जानकारी मांगी। पूछताछ के दौरान दोनों अपने पास रखे सामान के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। संदेह बढ़ने पर आरपीएफ टीम ने उनके पास मौजूद कपड़ों की पोटलियों और अन्य सामान की नियमानुसार तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पोटलियों के भीतर गांजा मिला। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पंजाब के संगरूर जिले के रहने वाले हंसा नाथ, उम्र 40 वर्ष और मनता नाथ उर्फ लंबू, उम्र 39 वर्ष के रूप में हुई है। दोनों ने साधु जैसी वेशभूषा धारण कर रखी थी। माना जा रहा है कि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचने के लिए उन्होंने इस तरह का भेष बनाया था। हालांकि, उनकी यात्रा और गांजे के स्रोत से जुड़ी वास्तविक परिस्थितियां पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होंगी। आरपीएफ के अनुसार हंसा नाथ के कब्जे से 7 किलो 280 ग्राम गांजा बरामद किया गया। वहीं मनता नाथ उर्फ लंबू की पोटली से 8 किलो 260 ग्राम गांजा मिला। इस तरह दोनों आरोपियों के पास से कुल 15 किलो 540 ग्राम गांजा जब्त किया गया। बरामद मादक पदार्थ की कीमत लगभग 7 लाख 77 हजार रुपये आंकी गई है। प्रारंभिक कार्रवाई और दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरपीएफ ने दोनों आरोपियों तथा जब्त गांजे को जैतहरी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जैतहरी पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी गांजा कहां से लेकर आए थे और उसे किस शहर या व्यक्ति तक पहुंचाया जाना था। दोनों ने रेलमार्ग से यात्रा करने की योजना बनाई थी या किसी अन्य वाहन का इंतजार कर रहे थे, इसकी भी जांच की जा रही है। आरोपियों के संपर्कों और संभावित तस्करी नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। ऑपरेशन ह्यानारकोसह्न के तहत रेलवे परिसरों और ट्रेनों के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, सकुर्लेटिंग क्षेत्र और ट्रेनों में संदिग्ध लोगों एवं सामान की जांच की जाती है। निगौरा स्टेशन पर हुई यह कार्रवाई भी इसी विशेष अभियान का हिस्सा है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक बिलासपुर रेल मंडल की आरपीएफ ने पिछले आठ महीनों में अलग-अलग कार्रवाइयों के दौरान करीब 550 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। इसकी कुल अनुमानित कीमत तीन करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। इन मामलों में पकड़े गए आरोपियों को संबंधित स्थानीय पुलिस और जांच एजेंसियों को सौंपा गया है।

बीएसपी में छुट्टियों की असमानता पर ऐतिहासिक समझौता, 90 दिन में होगा अध्ययन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई स्टील प्लांट में छुट्टियों को लेकर बीएसपी अनाधिशासी कर्मचारी संघ (BAKS) और प्रबंधन के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ है। क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) रायपुर अखिलेश राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह लिखित समझौता संपन्न हुआ। संघ ने 10 दिसंबर 2025 को समाधान पोर्टल पर विवाद दर्ज कराया था कि बीएसपी के नॉन-एग्जीक्यूटिव कर्मचारियों को सेल की अन्य इकाइयों और अधिकारियों की तुलना में कम छुट्टियां दी जा रही हैं।

अधिकारी-कर्मचारी में बड़ा अंतर : यूनियन के अनुसार सेल अधिकारियों को 15 CL और 30 EL मिलती है, जबकि बीएसपी कर्मचारियों को 7 उछ और 24 एछ। अधिकारियों को 6 बंद छुट्टियां मिलती हैं, कर्मचारियों को सिर्फ 1।

लंबी चर्चा के बाद तय हुआ कि ट्रेड यूनियन चुनाव के बाद रिकॉग्नाइज्ड यूनियन/नेगोशिएटिंग काउंसिल के साथ परामर्श कर छुट्टियों को युक्तिसंगत बनाया जाएगा। प्रबंधन 90 दिनों के भीतर अन्य उद्योगों की छुट्टी नीति का तुलनात्मक अध्ययन करेगा।

BAKS कोषाध्यक्ष नवीन कुमार मिश्रा ने कहा कि सेल में यह पहली बार है जब छुट्टी के मुद्दे पर किसी यूनियन को लिखित सहमति मिली है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन आधे उछ के मुद्दे पर जल्द आदेश जारी करने पर सहमत हुआ है।

प्रदेश में लक्ष्य का 97 प्रतिशत बोनी पूर्ण

किसानों को 12.07 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.58 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में खेती किसानी का कार्य जोरों पर है। राज्य में 25 अगस्त की स्थिति में राज्य के 47.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 97 प्रतिशत बोनी पूर्ण हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश किसानों को सुगमता से मिले खाद-बीज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहूलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों की मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा गया है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किसानों को अब तक 12.07 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.58 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। खेती का प्रारंभिक कार्य लगभग अंतिम चरण में है। राज्य में अब तक 47.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों जैसे धान, मक्का, कोदो, कुटकी, अरहर, मूंग, मूंगफली, रामतिल आदि की बोनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 97 प्रतिशत है। इस खरीफ सीजन में राज्य सरकार ने 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा है।

प्रदेश में इस खरीफ सीजन में 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त लक्ष्य के विरुद्ध 16.67 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भंडारण किया गया है। उक्त भंडारण के विरुद्ध 12.07 लाख मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो लक्ष्य का 72 प्रतिशत है।

इसी प्रकार खरीफ सीजन 2026 के लिए बीज निगम द्वारा प्रदेश में 4.95 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरुद्ध 4.80 लाख क्विंटल बीज का भंडारण कर अब तक 4.58 लाख क्विंटल बीज का वितरण किसानों को किया जा चुका है, जो मांग का 93 प्रतिशत है।

प्रदेश में अब तक 839.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज : राज्य की औसत वार्षिक वर्षा 1246.3 मिमी

अधिकारियों ने बताया कि 25 अगस्त सुबह तक की स्थिति में प्रदेश में अब तक 839.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1246.3 मिमी है। गौरतलब है कि औसत दर्ज वर्षा जिलों की आज तक की औसत वर्षा पिछले 10 वर्षों के आधार पर 810.2 मिमी. से 29.2 मिली मीटर अधिक है। गत वर्ष इसी अवधि में 821.0 मिली मी. वर्षा दर्ज की गई थी।

जरूरतमंद किसानों को 7778.76 करोड़ रुपए का निःशुल्क अल्पकालीन कृषि ऋण

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार किसानों को खेती-किसानी में सहूलियतें हो इस उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अल्प कालीन कृषि ऋण उपलब्ध करा रहे है। चालू खरीफ सीजन 2026 के लिए 24 अगस्त की स्थिति में 7778.76 करोड़ रुपए का ऋण वितरण किया है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 6449.95 करोड़ रुपए का ऋण वितरण किया गया था। इस वर्ष किसानों को 8800 करोड़ रुपए ऋण वितरण किये जाने का लक्ष्य रखा गया है।

महिला आईटीआई दुर्ग में वित्तीय साक्षरता व साइबर जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

छात्राओं को डिजिटल ठगी से बचाव के बताए उपाय

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

महिला आईटीआई कॉलेज दुर्ग में सोमवार को वित्तीय साक्षरता एवं साइबर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्राओं को वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल बैंकिंग तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत एवं उपयोगी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बजट निर्माण, बचत, निवेश, म्यूचुअल फंड, स्टॉक एवं शेयर मार्केट, एसआईपी, सावधि जमा खाता, केवाईसी, आवर्ती जमा खाता, क्रेडिट स्कोर और निवेश में विविधिकरण जैसे विषयों की जानकारी दी गई। साथ ही यूपीआई के सुरक्षित उपयोग, जनसुरक्षा योजनाओं, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के बारे में भी बताया गया।

साइबर ठगी से सतर्क रहने की अपील

शिविर में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए डिजिटल सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों को साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी फ्रॉड, नौकरी के नाम पर ठगी, एपीके फाइल के माध्यम से होने वाले फ्रॉड, पार्सल डिलीवरी फ्रॉड, म्यूल फ्रॉड सहित विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी के तौर-तरीकों और उनसे बचाव के उपाय बताए गए। विशेष रूप से लोगों को सलाह दी गई कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, एटीएम/डेबिट कार्ड संबंधी विवरण या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें तथा अनजान लिंक और संदिग्ध एपीके फाइल डाउनलोड करने से बचें। साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई।

बैंकिंग सुविधाओं और ऋण योजनाओं की दी जानकारी

कार्यक्रम में बैंकिंग लोकपाल शिकायत प्रणाली, सीएमएस पोर्टल, भारतीय रिजर्व बैंक की शिकायत प्रबंधन प्रणाली एवं 14448 के संबंध में जानकारी दी गई। इसके अलावा डिजिटल बैंकिंग के सुरक्षित उपयोग, एटीएम के सही इस्तेमाल, एजुकेशन लोन तथा मुद्रा लोन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। शिविर में बैंक ऑफ बड़ौदा से गजेंद्र मुदलीयार, एफएलसी दुर्ग से लेखराम ध्रुव, सेबी रायपुर से रवि आर्य, महिला आईटीआई कॉलेज के प्राचार्य गोरख प्रसाद सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

रणबीर कपूर की फिल्म ब्रह्मास्त्र 2 पर आई बड़ी अपडेट; इस रोल में नजर आ सकती हैं दीपिका

रणबीर कपूर इस साल दिवाली पर अपनी बड़ी फिल्म 'रामायण' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'ब्रह्मास्त्र 2' के लिए वह अयान मुखर्जी के साथ फिर से काम कर सकते हैं। मेकर्स फिल्म की स्क्रिप्ट पर चर्चा कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है। खबर है कि रणबीर के अगले साल जनवरी तक 'रामायण: पार्ट 2' की शूटिंग पूरी करने की उम्मीद है। कुछ समय के ब्रेक के बाद अभिनेता 'ब्रह्मास्त्र 2' पर काम शुरू कर सकते हैं। इसमें आलिया भट्ट लीड रोल में होंगी, जो अभिनेता की पत्नी हैं।

क्या होगा दीपिका का रोल?

जहां रणबीर और आलिया शिव और ईशा के अपने किरदारों को दोहराने के लिए तैयार हैं, वहीं एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी अमृता का किरदार निभाने के लिए फिल्म से जुड़ सकती हैं। फैंस 'ब्रह्मास्त्र' में शिव की मां के तौर पर दीपिका की झलक देखकर बहुत खुश हुए थे। इससे फिल्म में उनके किरदार और सीक्वल में उनकी भूमिका के बारे में उत्सुकता पैदा हुई।

कैसे कलाकार चाहते हैं अयान?

खबर यह भी है कि अयान और उनकी क्रिएटिव टीम दीपिका को कास्ट करना चाहती है, क्योंकि उन्हें लगता है कि अमृता के किरदार के लिए एक ऐसी एक्ट्रेस की जरूरत है, जो स्क्रीन पर जबरदस्त प्रभाव और मौजूदगी ला सके। हालांकि, अभी भी बातचीत चल रही है। कितने किरदार निभाएंगे रणबीर? 'ब्रह्मास्त्र 2' को लेकर सबसे बड़ी चर्चा का विषय रणबीर का डबल रोल हो सकता है। बताया जा रहा है कि एक्टर शिव और देव दोनों का किरदार निभाएंगे और पहली फिल्म में दिखाए गए टकराव और पौराणिक कथा को आगे बढ़ाएंगे।

क्यों उत्साहित हैं रणबीर?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रणबीर इस फ्रैंचाइजी में वापसी करने और चुनौतीपूर्ण डबल रोल निभाने को लेकर उत्साहित हैं। उनके शिव और देव दोनों का किरदार निभाने से सीक्वल को एक बड़ा कैनवस मिल सकता है। कहानी दोनों मुख्य किरदारों के बीच के रिश्ते और टकराव को गहराई से दिखा सकती है।

क्या रिया को याद आया जिंदगी का सबसे कठिन दौर

'द ट्रेटर्स 2' में किसी पर शक होना खेल का हिस्सा है, मगर रिया चक्रवर्ती के लिए 'ट्रेटर' शब्द शायद बाकी खिलाड़ियों जितना हल्का नहीं है। घर में जब उन पर शक बढ़ता है, तो रिया अपनी जिंदगी के उस दौर को याद करती हैं, जब उन्हें लगता था कि दुनिया ने पहले ही उन्हें ट्रेटर मान लिया था। उनकी सफाई में खेल से ज्यादा उनकी अपनी कहानी सामने आ जाती है।

मैं इनोसेंट निकली घर में अपने ऊपर हो रहे शक के बीच रिया कहती हैं, 'मैं सच में ट्रेटर नहीं हूं। मैं कैसे बताऊं? मेरा जो नैरेटिव है ना लाइफ का, यही रहा कि दुनिया ने मुझे ट्रेटर समझा लेकिन मैं इनोसेंट निकली हूं।' रिया का इशारा उस दौर की तरफ है, जब सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उन्हें लंबे समय तक सवालों और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। 2025 में सीबीआई ने मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। जांच में रिया के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का सबूत नहीं मिला था।

क्या है रिया की सफाई?

शो में खेल का एक अहम हिस्सा हत्या का है। ट्रेटर्स को चुपचाप किसी खिलाड़ी को खेल से बाहर करने का मौका मिलता है। जबकि बाकी खिलाड़ी यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि आखिर ट्रेटर कौन है। ऐसे में जब रिया पर भी ट्रेटर होने का शक बढ़ता है, तो वह अपनी पुरानी छवि का हवाला देते हुए कहती हैं, 'मैं तो पहले से ही दुनिया को ट्रेटर दिखती हूं, समझ रहे हो? मेरी निजी जिंदगी की वजह से। तो मैं जानबूझकर एक शो में आकर मर्डर-वर्डर थोड़ी करूंगी। ये मेरे लिए बहुत खराब होगा। इसके मीम्स बनेंगे। मैं देश की सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली इंसान हूं, इसका मतलब समझते हो आप?' रिया को लगता है कि अगर उन्होंने खेल में जानबूझकर किसी को धोखा दिया तो लोग इसे सिर्फ खेल की चाल नहीं मानेंगे। उनके लिए यह उनकी पुरानी छवि से भी जुड़ जाएगा।

रिया ने करण से क्या कहा?

दरअसल, शो के पहले के एक एपिसोड में करण जौहर ने रिया से पूछा था कि वह ट्रेटर बनकर खेलना चाहेंगी या इनोसेंट बनकर। रिया ने साफ कहा था कि वह इनोसेंट बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा था, 'एक्चुअली मुझे इसी साल क्लीन चिट मिली है। इसी साल ही लोगों को पता चला है कि मैं इनोसेंट हूं। बहुत देर तक शक में रही हूं, तो वो इतना पसंद नहीं है अब मुझे।'

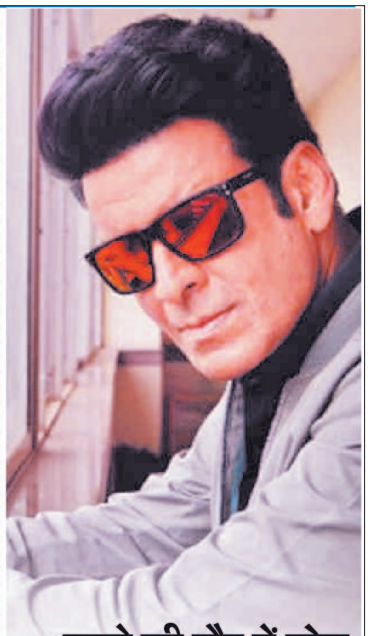

क्या भाग्यश्री बोर्से के हाथ से फिसली आदित्य रॉय कपूर की फिल्म?

साउथ की चर्चित अभिनेत्री भाग्यश्री बोर्से और बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर, डायरेक्टर मिलाप जवेरी की आगामी फिल्म का हिस्सा होंगे। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट पर आधारित यह खबर पिछले दिनों खूब चर्चा में रही। लेकिन अब नया अपडेट इस बारे में सामने आया है। इस फिल्म को लेकर टी-सीरीज प्रोड्यूस कर रहा है। टी-सीरीज के एक प्रवक्ता ने कहा, 'आदित्य रॉय कपूर के साथ टी-सीरीज और मिलाप जवेरी एक फिल्म बना रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में भाग्यश्री बोर्से के शामिल होने की खबरें गलत हैं। प्रोडक्शन हाउस जल्द ही अभिनेत्री के नाम का आधिकारिक घोषणा करेगा।'

भाग्यश्री बोर्से तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में अभिनय करती हैं। वह बॉलीवुड में 'यारियां 2' और 'चंदू चैंपियन' में छोटे लेकिन अहम किरदार निभा चुकी हैं। वहीं फिल्म विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' का भी वह हिस्सा रही हैं। वह एक तमिल फिल्म 'सियोन' भी कर रही हैं।

सपने की दौड़ में छोड़ा माता-पिता का साथ, अब भी अपराध-बोध और गहरा पछतावा होता है

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले एक्टर मनोज बाजपेयी ने एक बार उस भारी अपराध-बोध के बारे में बात की थी, जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी के एक बड़े हिस्से में महसूस किया था। फिल्ममेकर महेश भट्ट के साथ उनकी बातचीत का एक पुराना विलप इंटरनेट पर फिर से सामने आया है, जिसमें वह अपने माता-पिता का साथ छोड़ने के पछतावे के बारे में बात करते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने वीडियो में कहा, 'मैंने सबसे बड़ी चीज जो छोड़ी, और आप इससे बहुत जुड़ाव महसूस करेंगे, वह थी अपने माता-पिता का साथ, खासकर अपनी मां का साथ। इन पूरे 20 सालों में मैंने उनके साथ कभी भी 10 दिन से ज्यादा समय नहीं बिताया। मेरे मन में अब भी एक अजीब तरह का पछतावा है कि अपने सपने को पूरा करने की दौड़ में मैंने अपने माता-पिता का साथ छोड़ दिया। जब मैंने अपने माता-पिता को स्क्रीन अवॉर्ड के लिए बुलाया, जो मेरा पहला अवॉर्ड था, तो वे दो दिन के लिए आए थे। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया, 'बेटा, एक बात याद रखना, जो सफल नहीं हुआ, वह बेवकूफ नहीं होता।' यह बात सिर्फ एक मां ही कह सकती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक बार मैं दो दिन बिताने दिल्ली गया था। सुबह नहाने के बाद बाल बनाते हुए मैंने पूछा, 'मां, मैं कैसा लग रहा हूं? अच्छा लग रहा हूं न?' उन्होंने कहा, 'बेटा, शोहरत और पैसा मिलने पर तो गधा भी सुंदर लगने लगता है।'' मनोज बाजपेयी का अपनी मां गीता देवी के साथ बहुत करीबी रिश्ता था। वह एक गृहिणी थीं और उनके जीवन भर उनकी हिम्मत का एक अहम स्रोत रहीं। एक्टर ने अवसर एक्टर बनने के अपने मुश्किल सफर के दौरान अपने माता-पिता के त्याग और उनके सहयोग के बारे में बात की है। गीता देवी का निधन 8 दिसंबर, 2022 को 80 साल की उम्र में हुआ। वह लगभग 20 दिनों से बीमार थीं, और दिल्ली के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन से लगभग एक साल पहले, 2021 में, एक्टर ने अपने पिता को खो दिया था।

कार्तिक आर्यन ने लॉन्च किया डोपामिन स्टूडियोज़

कार्तिक आर्यन ने अभिनय से आगे बढ़ते हुए अपने प्रोडक्शन बैनर डोपामिन स्टूडियोज की शुरुआत की है। यह बैनर अब मशहूर फिल्म निर्देशक कबीर खान के साथ उनकी आगामी फिल्म से आधिकारिक रूप से जुड़ गया है। यह अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म कार्तिक और कबीर खान की 2024 की बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा 'चंदू चैंपियन' के बाद दूसरी साझेदारी है।

गौरतलब है कि 'चंदू चैंपियन' भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित थी, जिसके लिए कार्तिक को हाल ही में भारत के 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला है। असाधारण सच्ची घटना से प्रेरित इस फिल्म में कार्तिक एक किकबॉक्सिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर की एक युवा लड़की के सफर को दिशा देने में मदद करता है।

माना जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी युवा कश्मीरी एथलीट तजामुल इस्लाम के जीवन से प्रेरित है, जिन्होंने किकबॉक्सिंग चैंपियन के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। कहानी सुनने के बाद से ही कार्तिक इससे इस कदर गहराई से जुड़ गए कि इसकी भावनात्मकता, संघर्ष, दृढ़ता और जज्बे से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाए। इसी जुड़ाव के चलते उन्होंने फिल्म में अभिनय करने के साथ ही डोपामिन स्टूडियोज के माध्यम से निर्माता के रूप में भी जुड़ने का फैसला कर लिया। इस संदर्भ में फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'कहानी सुनते ही कार्तिक इससे बहुत गहरे स्तर पर जुड़ गए थे। वास्तविक जीवन की इस कहानी में मौजूद साहस, जुनून और दृढ़ विश्वास ने उन्हें काफी प्रभावित किया। उन्हें लगा कि यह ऐसी कहानी है, जिसे ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। निर्माता के रूप में जुड़ने का उनका फैसला इसी विश्वास और फिल्म को रचनात्मक स्तर पर और गहराई से समर्थन देने की इच्छा से आया।'

डोपामिन स्टूडियोज की शुरुआत कार्तिक आर्यन के करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जहां वह अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी अपनी रचनात्मक भागीदारी बढ़ा रहे हैं। कबीर खान के साथ उनकी यह दूसरी फिल्म भी संघर्ष, महत्वाकांक्षा, दृढ़ संकल्प और मानवीय जज्बे की जीत जैसी भावनाओं पर केंद्रित है। दिलचस्प बात यह है कि इस भूमिका के लिए कार्तिक ने किस बॉक्सिंग की ट्रेनिंग भी ली है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है और इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई और कश्मीर में की जा रही है। इसके अलावा फिल्म का शीर्षक, बाकी कलाकारों और रिलीज डेट से जुड़ी अन्य जानकारियां आने वाले समय में आधिकारिक रूप से सामने आने की उम्मीद है।

रुबीना दिलैक ने याद किया 'खतरों के खिलाड़ी' का सफर, बोलीं- हर दिन लगता था कि अब आगे क्या होगा?

टीवी की दुनिया में रुबीना दिलैक अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। छोटे पर्दे पर डांस से लेकर खतरनाक स्टंट तक, उन्होंने हर जगह अपनी क्षमता दिखाई है। इस कड़ी में उन्होंने बुधवार को अपने पुराने स्टंट रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' से जुड़ी यादों को सोशल मीडिया पर साझा किया है। रुबीना ने शो के दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो एक साथ शेयर किए। इनमें उनके स्टंट, दोस्तों के साथ बिताए पल और शो के दौरान उनका अलग अंदाज देखने को मिला।

रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें तस्वीरें और कुछ छोटे-छोटे क्लिप्स शामिल हैं। इस वीडियो में वह अलग-अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह ओरी और जैस्मिन भसीन के साथ मस्ती करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ वीडियो में वह शो के मुश्किल स्टंट करती नजर आती हैं। पोस्ट में उनका फैशन स्टाइल भी देखने को मिल रहा है। इन तस्वीरों के साथ रुबीना ने लिखा, ''हर दिन इस सवाल के साथ भरा होता था कि अब आगे क्या होगा, लेकिन हमारे दिल हंसी, खुशी के आंसुओं और डर से भरे रहते थे।'' ''खतरों के खिलाड़ी' ऐसा रियलिटी शो है, जिसमें मनोरंजन की दुनिया से जुड़े सितारे अपने डर का सामना करते हैं। शो में कंटेस्टेंट्स को ऐसे स्टंट दिए जाते हैं, जिनमें कई बार ऊंचाई, पानी, रफ्तार और अलग-अलग तरह की मुश्किल परिस्थितियां शामिल होती हैं। हर स्टंट के दौरान कलाकारों को अपने डर पर काबू पाना पड़ता है। यही वजह है कि शो में सिर्फ शारीरिक ताकत ही नहीं, बल्कि हिम्मत और दिमाग का इस्तेमाल भी जरूरी होता है।

भारत में इस शो की शुरुआत 'फियर फैक्टर इंडिया' के नाम से हुई थी। बाद में इसे 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी' नाम मिला। शो का पहला सीजन 21 जुलाई 2008 को आया था। साल 2020 में इसका स्पिन-ऑफ 'खतरों के खिलाड़ी: मेड इन इंडिया' भी शुरू किया गया था। शो के पिछले सीजन यानी 'खतरों के खिलाड़ी 14' की शूटिंग रोमानिया में हुई थी। इस सीजन के विजेता करणवीर मेहरा रहे थे, जबकि कृष्णा श्रॉफ रनर-अप बनी थीं। रुबीना दिलैक के करियर की बात करें तो उन्होंने टीवी पर अपनी शुरुआत 'छोटी बहू' से की थी। इस शो में उनके किरदार को काफी पसंद किया गया और वह जल्द ही घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'सास बिना ससुराल', 'पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद', 'देवों के देव...महादेव', 'जीनी और जूजू' और 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की' जैसे कई शोज में काम किया। 'शक्ति' में रुबीना के किरदार को खास लोकप्रियता मिली। इसके बाद उन्होंने रियलिटी शोज की दुनिया में भी अपनी जगह बनाई। वह 'बिग बॉस 14' की विजेता रह चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12' और 'झलक दिखला जा 10' में भी हिस्सा लिया। रुबीना ने फिल्मों में भी कदम रखा। साल 2022 में उन्होंने राजपाल यादव और हितेन तेजवानी के साथ फिल्म 'अर्ध' से अपना फिल्मी सफर शुरू किया। इसके अलावा वह होस्ट के तौर पर भी नजर आईं। उन्होंने 'द वार्ड' को होस्ट किया, जिसमें 10 गर्भवती महिलाओं के मां बनने के सफर को दिखाया गया।

कलेक्टर की सख्त हिदायत : आवश्यक सेवा वाले अधिकारी बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ें

सड़क दुर्घटना के लंबित क्षतिपूर्ति प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश, सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, जनहित से जुड़े कार्यों और लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक सेवाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आवश्यक सेवा से जुड़े कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी अधिकारी को किसी कारणवश मुख्यालय से बाहर जाना आवश्यक हो तो नियमानुसार पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति मुख्यालय से अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जिले में अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं एवं जनहित से जुड़े कार्य संचालित हैं। ऐसे में अधिकारियों की मुख्यालय में उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। विशेषकर स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत, खाद्य, शिक्षा, विद्युत एवं जल प्रदाय जैसे आवश्यक सेवा वाले विभागों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण आम नागरिकों को परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

सड़क दुर्घटना के क्षतिपूर्ति प्रकरणों का शीघ्र निराकरण : बैठक में कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं में मृत एवं घायल व्यक्तियों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति एवं राहत राशि के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। इसलिए ऐसे सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग को आपसी समन्वय से दुर्घटना से संबंधित क्लेम प्रकरण तैयार कर समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राहत राशि की स्वीकृति में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चलेगा जांच अभियान : कलेक्टर ने जिले में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने नगर पालिका एवं राजस्व अमले को बाजारों और दुकानों में लगातार जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के बावजूद यदि कहीं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाया जाता है तो उसे जब्त कर नियमानुसार जुमार्ना वसूलने की कार्रवाई की जाए। साथ ही नागरिकों एवं व्यापारियों को कपड़े के थैले तथा अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों के उपयोग के लिए जागरूक किया जाए।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शिकायतों का हो संतुष्टिपूर्ण निराकरण : बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों की भी गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण दर्ज न किया जाए, बल्कि गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए आवेदक से चर्चा कर उसकी वास्तविक समस्या को समझें। आवश्यकता होने पर अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

समय-सीमा के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाएं : कलेक्टर ने समय-सीमा के अंतर्गत लंबित पत्रों, जनदर्शन, जनशिकायतों एवं अन्य विभागीय प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता के कार्य समय-सीमा में पूरे होना चाहिए। इसलिए सभी लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत किया जाए। विशेष रूप से नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं जाति प्रमाण पत्र जैसे राजस्व प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को अपने न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की नियमित सुनवाई कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फील्ड में सक्रिय रहकर जनता से सीधा संवाद करें अधिकारी : बैठक के अंत में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने सभी अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहने, शासन की योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करने तथा आम जनता से सीधा संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

खास खबर

युवाओं ने नशे के खिलाफ लिया संकल्प, राष्ट्र निर्माण में योगदान का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

केंद्रीय संचार ब्यूरो रायपुर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय राजनांदगांव में आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। 24 एवं 25 अगस्त को आयोजित यह कार्यक्रम नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) रायपुर के अधीक्षक अनिल कुमार ने मादक पदार्थों की तस्करी, नियंत्रण और नशे के दुष्परिणामों पर पीपीटी प्रस्तुति दी। उन्होंने युवाओं को नशे से बचाव में उनकी भूमिका तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने नशामुक्ति से संबंधित मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 के बारे में भी बताया। विद्यार्थियों ने नशे, मादक पदार्थों की तस्करी, इसके दुष्परिणाम और बचाव से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। अनिल कुमार ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का विस्तारपूर्वक समाधान किया और नशे से दूर रहने के लिए जागरूक एवं सतर्क रहने का आह्वान किया।

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण, युवाओं की भूमिका और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर अपनी विचारशीलता एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। सक्रिय रूप से भाग लेने वाले विद्यार्थियों को केंद्रीय संचार ब्यूरो की ओर से सहभागिता प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एसआर कनोजे, सामाजिक कल्याण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, ब्रह्माकुमारी केंद्र के प्रतिनिधि, प्राध्यापकगण, एनएसएस स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। दो दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली, आत्म-अनुशासन और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही युवाओं से अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में लगाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया गया।

कवर्धा की प्रतिभा एक दिन बनेगी देश का गौरव -उपमुख्यमंत्री शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा विधानसभा के 171 मेधावियों का किया सम्मान, प्रतिभा को मिला बड़ा मंच और सपनों को नई उड़ान

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर सफलता हासिल करने वाले कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 171 मेधावी विद्यार्थियों के लिए यह दिन खास और यादगार रहा। पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, कवर्धा में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चेक एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कवर्धा में पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस समारोह में वनांचल क्षेत्र के विद्यालयों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस पहल ने ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा को पहचान और प्रोत्साहन देने का संदेश दिया।

समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों से आत्मीयता के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया, उनकी पढ़ाई और रुचियों के बारे में जाना तथा उनके सवालों और जिज्ञासाओं पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरक पुस्तकें भी भेंट कीं, ताकि उनमें पढ़ने और सीखने की आदत को और बढ़ावा मिले। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के साथ सेल्फी लेकर उनके साथ खुशियां भी साझा कीं। कार्यक्रम की एंकर अनुराधा दुबे ने भी अपनी प्रेरक और उत्साहवर्धक बातों से विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। पूरे समारोह में विद्यार्थियों में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। सम्मान, संवाद और प्रोत्साहन से भरे इस आयोजन ने मेधावी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को और निखारने तथा भविष्य में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए नई ऊर्जा दी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा की धरती प्रतिभाओं से भरी हुई है। आज सम्मानित हो रहे ये मेधावी विद्यार्थी अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर आने वाले समय में नई ऊंचाइयां हासिल करेंगे। कवर्धा की यह प्रतिभा आने चलकर न केवल जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेगी, बल्कि एक दिन देश का गौरव बनेगी। मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये तथा कक्षा 12वीं में 90 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया गया। इसके साथ ही सभी चयनित विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट, रामकिंकर वर्मा, निर्मल द्विवेदी, हरीश लुनिया, कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति, डीएफओ निखिल अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि, स्कूली विद्यार्थी, पालकगण, शिक्षक, शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष उपस्थित थे।

जो करना है, पूरे मन से कर डालो- उप मुख्यमंत्री शर्मा

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जो करना है वह पूरे मन से कर डालो। जो दिल में है, उसे पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। सकारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने में संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने लक्ष्य और जुनून के लिए पूरा प्राण लगा देना चाहिए। संसाधनों की कमी को कभी अपनी सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने युवाओं को सावधान करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसी कई ताकतें हैं, जो युवाओं के मन में गुस्सा भरने का प्रयास करती हैं। इससे सचेत रहने की जरूरत है।

युवाओं की ऊर्जा का उपयोग समाज और राष्ट्रहित में हो

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नवजवानों में बहुत तेज और ऊर्जा होती है। इस ऊर्जा का उपयोग समाज की भलाई और देश को आगे बढ़ाने में होना चाहिए। समाज का हित, अपने बड़ों का हित और देश का हित सबसे बड़ी बात है। भारत की परंपरा सदैव पूरे समाज और राष्ट्र के हित में सोचने की रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी अवधारणा भारत की ताकत है और युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजग रहते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सभी युवा अपने जीवन में आगे बढ़ें, तरक्की और उन्नति करें। अपने पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए पूरी मेहनत और समर्पण के साथ प्रयास करना चाहिए।

विद्यार्थियों से सीधा संवाद, पढ़ाई को लेकर पूछे सवाल

समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। कक्षा 12वीं के छात्र राकेश जांगड़े ने उनसे पूछा कि विद्यार्थी जीवन में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए वे परीक्षा की तैयारी पहले से करते थे या प्रथम आने का जुनून रहता था। इस पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पढ़ाई के दौरान कक्षा में शिक्षक की बातों पर पूरा ध्यान देना चाहिए। केवल रटने के बजाय विषय को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रथम आने का जुनून रखने के बजाय विषय को अच्छी तरह समझने पर ध्यान देना चाहिए। जब विषय की समझ मजबूत होगी तो विद्यार्थी किसी भी प्रश्न का उत्तर आत्मविश्वास के साथ दे सकेंगे।

कक्षा 10वीं की छात्रा मृदुला श्रीवास्तव ने विद्यार्थी जीवन से जुड़ा सवाल करते हुए पूछा कि जब विज्ञान की पढ़ाई के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं होते थे, तब वे किस तरह आगे बढ़े। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समय और संसाधनों की कमी कभी किसी को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी को अपनी प्रगति में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षकों के प्रति सम्मान रखने और कक्षा में शिक्षक द्वारा पढ़ाए जा रहे विषय पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की पहल पर आयोजित इस समारोह में मेधावी विद्यार्थियों के साथ उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्कूल के प्राचार्य व शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को भी सम्मानित किया गया।

नियम विरुद्ध कृषि आदानों के विक्रय पर उर्वरक व कीटनाशी विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई

जिले में 94 उर्वरक विक्रय केंद्रों और 21 पौध संरक्षण औषधि केंद्रों का निरीक्षण ; अनियमितता मिलने पर नोटिस, बिक्री प्रतिबंध और जब्ती की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

खरीफ वर्ष 2026 में जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग की सुनियोजित कार्ययोजना के तहत जिले के पंजीकृत किसानों को उर्वरकों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया गया है। वर्तमान में जिले की समितियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। किसानों को उच्च गुणवत्ता के कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विक्रय केंद्रों की सतत निगरानी एवं निरीक्षण किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। जिले में अब तक 94 सहकारी एवं निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इनमें अनियमितता पाए जाने पर 30 केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि 5 केंद्रों पर उर्वरक बिक्री प्रतिबंधित की गई है।

इसी प्रकार जिले के 21 पौध संरक्षण औषधि केंद्रों का निरीक्षण किया गया। विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर 8 केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। वहीं, वैध दस्तावेजों के बिना कीटनाशकों का विक्रय पाए जाने पर 3 केंद्रों में जब्ती एवं बिक्री प्रतिबंध की कार्रवाई की गई है। कृषि रसायनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उर्वरक एवं कीटनाशकों के नमूने भी लिए जा रहे हैं, जिन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा जा रहा है।

कृषि विभाग द्वारा मौसम की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग तथा संतुलित एवं समन्वित कृषि पद्धतियों के संबंध में प्रक्षेत्र स्तर पर जानकारी दी जा रही है। विभाग ने किसानों से कृषि रसायनों एवं अन्य कृषि आदानों की खरीदी केवल पंजीकृत संस्थानों एवं अधिकृत विक्रय केंद्रों से करने की अपील की है, ताकि उन्हें उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान प्राप्त हो सकें।

विभाग ने किसानों को उपज बढ़ाने के नाम पर किए जाने वाले भ्रामक प्रचार से सावधान रहने तथा अवैध तरीके से कृषि आदानों की खरीदी नहीं करने की सलाह दी है। किसानों से डोर-टू-डोर कृषि आदानों की बिक्री से सावधान रहने और क्षेत्र में इस प्रकार की गतिविधियां पाए जाने पर तत्काल संबंधित कृषि विभागीय अधिकारियों को सूचना देने की अपील की गई है।

नियम विरूद्ध कीटनाशी का व्यापार करने वाले विक्रेताओं पर कृषि विभाग की कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कृषि विभाग द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं मानक कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा कीटनाशकों के अवैध एवं नियम विरूद्ध व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिले में कीटनाशी विक्रेताओं के विक्रय परिसरों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में अब तक जिले में 122 कीटनाशी विक्रय परिसरों का निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 9 कीटनाशी अनुज्ञप्तियों को निलंबित, 22 विक्रय केंद्रों पर कीटनाशकों के विक्रय पर प्रतिबंध तथा 1 विक्रय केंद्र की अनुज्ञप्ति निरस्त की गई है। इसके अतिरिक्त 8 अमानक कीटनाशकों के विक्रय पर प्रतिबंध लगाते हुए संबंधित कंपनियों को भी नोटिस जारी किया गया है।

उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि प्राप्त शिकायत के आधार पर विभिन्न कीटनाशी विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लाल बहादुर नगर में साहू कृषि केंद्र, अभिषेक कृषि केंद्र, गायत्री कृषि केंद्र तथा देवांगन कृषि केंद्र डोंगरगढ़ में कीटनाशी अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के विरूद्ध कीटनाशकों का व्यापार किया जाना पाया गया। निरीक्षण के दौरान संचालकों द्वारा बिना वैध दस्तावेज के कीटनाशकों का व्यापार करते पाए जाने पर विक्रय प्रतिबंध एवं अनुज्ञप्ति निलंबन की कार्यवाही की गई।

आर्थिक मजबूती

अगरबत्ती-धूप निर्माण से सालाना लगभग 3 लाख रुपए तक की आय अर्जित कर रहीं महिलाएं

मेहनत और हुनर से थैलीटोला की महिलाएं गढ़ रहीं आत्मनिर्भरता की कहानी

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

ग्रामीण परिवेश में रहते हुए भी महिलाएं अपनी मेहनत, हुनर और समूह की एकजुटता से आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं। विकासखंड अंबागढ़ चौकी के ग्राम थैलीटोला की जय मां लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की 10 महिलाओं ने अगरबत्ती एवं धूप-लुभान निर्माण को स्वरोजगार का माध्यम बनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। समूह की महिलाएं इस कार्य से सालाना लगभग 3 लाख रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं।

समूह की अध्यक्ष श्रीमती रिंकी सिन्हा बताती हैं कि कुछ समय पहले तक समूह से जुड़ी सभी महिलाएं घर-परिवार के कार्यों और खेती-किसानी में ही व्यस्त रहती थीं। नियमित आमदनी का कोई अलग साधन नहीं था। विहान योजना से जुड़ने के बाद महिलाओं को एकजुट होकर अपनी क्षमता और रुचि के अनुरूप स्वरोजगार शुरू करने का अवसर मिला। इसी क्रम में समूह ने अगरबत्ती एवं धूप-लुभान निर्माण का कार्य शुरू किया। श्रीमती सिन्हा ने बताया कि समूह की महिलाओं ने स्वरोजगार को आगे बढ़ाने के लिए शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लिया। स्वयं सिद्ध, बीआरसी, बैंक लिंकेज एवं पीएमईजीपी जैसी योजनाओं से मिले सहयोग ने समूह की गतिविधियों को मजबूती प्रदान की। योजनाओं के माध्यम से प्राप्त सहयोग का उपयोग कर महिलाओं ने अपने कार्य को व्यवस्थित किया और उत्पादन बढ़ाते हुए इसे आय के बेहतर साधन के रूप में विकसित किया।

आज समूह की महिलाएं स्वयं अगरबत्ती एवं धूप-लुभान तैयार करने से लेकर उसकी पैकेजिंग और विक्रय तक की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ महिलाएं अपने गांव में ही रोजगार प्राप्त कर रही हैं। इससे उन्हें अपनी आय बढ़ाने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक जरूरतों में सहयोग करने का अवसर भी मिल रहा है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती सिन्हा का कहना है कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद महिलाओं के भीतर आत्मविश्वास बढ़ा है। पहले जहां महिलाएं केवल घरेलू कार्यों और खेती-किसानी तक सीमित थीं, वहीं अब वे स्वयं रोजगार का संचालन कर रही हैं और अपनी मेहनत से आमदनी अर्जित कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि समूह द्वारा बनाए गए अगरबत्ती एवं धूप-लुभान को जिले के बाजारों, दुकानों तथा शासन द्वारा आयोजित सरस मेलों में जाकर विक्रय किया जाता है। समूह की महिलाएं अपने व्यवसाय का और विस्तार करने तथा अधिक से अधिक बाजारों तक अपने उत्पाद पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। मेहनत, हुनर और शासन की योजनाओं से मिले सहयोग के बल पर थैलीटोला की ये महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर लगातार आगे बढ़ रही हैं।

मानपुर में 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का हुआ शुभारंभ, 128 लोगों ने कराया पंजीयन

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का शुभारंभ मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर में किया गया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर मिथिलेश डांडे, नेत्र रोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल डॉ. पुष्प लता देवांगन, बीएमओ मानपुर डॉ. गिरीश खोबरागड़े, मेडिकल ऑफिसर टीकाकरण डॉ. देवेश ठाकुर तथा बीपीएम निशा नायक ने भारत माता के चलचित्र पर श्रीफल एवं पुष्प अर्पित कर अभियान का शुभारंभ किया। जिले में 25 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जाएगा। यह आयोजन कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोबरागड़े, जिला नोडल अधिकारी अंधत्व डॉ. आरआर धुर्वे और जिला कार्यक्रम प्रबंधक राकेश वर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

नेत्रदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस अभियान में पदस्थ नेत्र सहायक अधिकारी वीरेंद्र महंत, ललेश्वरी सलामे, छबल नेताम, आकाश साहू एवं दुर्गेश वर्मा द्वारा लोगों को नेत्रदान के महत्व के संबंध में जानकारी दी जाएगी तथा नेत्रदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसी क्रम में 25 अगस्त को विकासखंड मानपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जिला मेडिकल बोर्ड का आयोजन भी किया गया। इसमें कुल 128 लोगों ने पंजीयन कराया और सभी 128 लोगों की जांच की गई। जांच प्रक्रिया के उपरांत 55 पात्र लोगों के मेडिकल प्रमाण पत्र बनाए जाकर प्रदान किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों से नेत्रदान के महत्व को समझने और इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने की अपील की है। नेत्रदान के माध्यम से मृत्यु के बाद किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में दृष्टि का उजाला लाया जा सकता है।

भावपूर्ण

श्रद्धांजलि

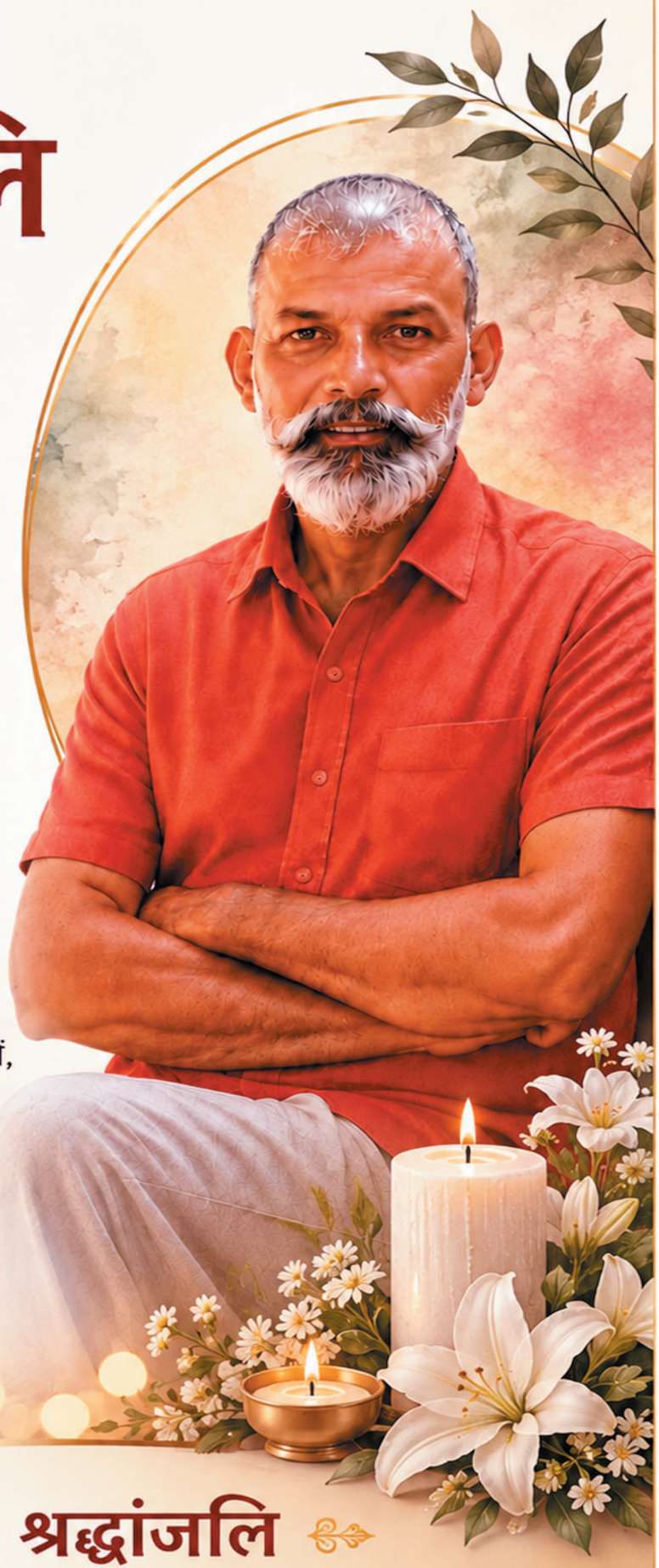

एक मित्र, एक मार्गदर्शक,
एक जनसेवक को
शत-शत् नमन।

आज हमारा पुराना साथी, सच्चा मित्र
और नगर निगम का समर्पित पार्षद
हमारे बीच नहीं रहा।

उनकी कमी को शब्दों में बयां कर
पाना संभव नहीं है।

वह मेरे साथ हमेशा खड़ा रहा –
हर उतार-चढ़ाव में, हर सुख-दुःख में।
न सिर्फ एक जिम्मेदार **जनप्रतिनिधि** के रूप में,
बल्कि एक सच्चे **मित्र और भाई** के रूप में,
उन्होंने सबका दिल जीता।

उनकी सरलता, ईमानदारी,
समर्पण और लोगों के प्रति सच्चा प्रेम
हमेशा हमें **प्रेरणा** देता रहेगा।

विनम्र श्रद्धांजलि

नीरज पाल

महापौर, भिलाई

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100